● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 अमित शाह कल बिहार दौरे पर, कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

04 न्यूरो सर्जन डा.रवि भूषण ने जिहुली में किया निःशुल्क शिविर

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

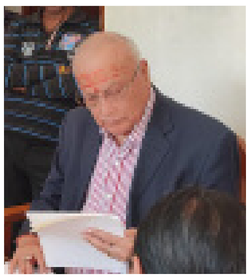

● पटना, शनिवार, 09 मार्च 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 05, अंक: 11

सत्ता में भागीदारी से होगा महिला सशक्तीकरण

बेटियों की कल्पना का दायरा बढ़ाना व नए विकल्प देना हमारी जिम्मेदारीः प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को बधाई देते हुए कहा है कि सत्ता और संपत्ति में जब तक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी तब तक उनका सशक्तीकरण संभव नहीं है।

श्री गांधी ने ट्वीट किया, महिला दिवस पर सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं। पिछले साल, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कुछ बच्चियों से मिल कर उनसे उनकी आकांक्षाएं पूछी थी। अपेक्षा अनुसार उन्होंने चुनिंदा सुरक्षित करियर ऑप्शंस के बारे में बात की - कुछ जो समाज में लोकप्रिय हैं और कुछ जो उनके माता-पिता की आशाएं हैं। उन्हें आगे बढ़ाने के लिए इस बुलबुले से बाहर निकालना

ज़रूरी है।

इसी सोच के साथ उनकी इच्छा अनुसार कुछ को हेलिकॉप्टर की यात्रा करवाई और कुछ और को ऑपरेशन थियेटर में सर्जरी दिखाई। अब उनसे फिर से मुलाकात हुई, और आज उनका आत्मविश्वास अलग आयाम पर है - कुछ नया करने का जज़्बा है, आसमान छू लेने की अभिलाषा है। उन्होंने कहा भारत की बेटियों की कल्पना का दायरा बढ़ाना और नए विकल्प प्रस्तुत करना हमारी जिम्मेदारी है और उनका अधिकार - और इसे पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

अठारह वर्ष तक निःशुल्क शिक्षा की घोषणा करें दल

नयी दिल्ली। गैर-सरकारी संगठनों ने सभी राजनीतिक दलों से 18 वर्ष तक निःशुल्क शिक्षा को चुनावी घोषणापत्र में शामिल करने की मांग करते हुए कहा है कि इससे बाल विवाह की समस्या का उन्मूलन किया जा सकता है। वर्ष 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए अभियान चला रहे 160 गैर-सरकारी संगठनों के गठबंधन बाल विवाह मुक्त भारत अभियान ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शुक्रवार को यहां जारी एक शोधपत्र 'एजुकेट टू इंड चाइल्ड मैरिज : एक्सप्लोरिंग लिंकेजेज एंड रोल ऑफ एजुकेशन इन एलिविटिंग चाइल्ड मैरिजेज' में कहा है कि 18 वर्ष की उम्र तक सभी बच्चों को अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा 2030 तक देश से बाल विवाह के खात्मे में निर्णायक भूमिका निभा सकती है, क्योंकि 18 वर्ष से पहले पढ़ाई छोड़ने और बाल विवाह में एक सीधा और स्पष्ट संबंध है।

असम की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम की दो दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को तेजपुर पहुंचे। श्री मोदी का तेजपुर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने स्वागत किया।

बाद में, श्री मोदी जोरहाट के होल्लांगापार में अहोम जनरल बीर लाचित बोरफुकन के स्मारक और सबसे बड़ी प्रतिमा का अनावरण करेंगे। वह जोरहाट में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री पूरे असम में कई सुविधाओं में घरेलू तेल शोधन क्षमता बढ़ाने के लिए 1555 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन परियोजनाओं की नींव रखेंगे।

प्रधानमंत्री रात्रि विश्राम आज काजीरंगा में करेंगे और शनिवार को काजीरंगा नेशनल पार्क की यात्रा करेंगे। यहां से वह अरुणाचल प्रदेश जायेंगे जहां वह दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

मोदी ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की कटौती की घोषणा की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की कटौती की घोषणा की और कि इससे देश भर के लाखों परिवारों पर वित्तीय बोझ काफी कम हो जायेगा , विशेषकर देश की नारी शक्ति इससे लाभान्वित होंगी।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा , "आज महिला दिवस पर हमारी सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की कटौती करने का फैसला किया है। इससे देश भर के लाखों परिवारों पर वित्तीय बोझ काफी कम हो जायेगा , विशेषकर हमारी नारी शक्ति इससे लाभान्वित होंगी।"

कांग्रेस ने जारी की 39 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

वायनाड से राहुल गांधी लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनावों को लेकर अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली लिस्ट में 39 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी वायनाड सीट से चुनाव लड़ेंगे। भूपेश बघेल को राजनांदगांव से टिकट दिया गया है। बेंगलुरु ग्रामीण डीके सुरेश और रायपुर से विकास उपाध्याय को चुनावी समर में उतारा गया है। कांग्रेस की पहली सूची में 39 उम्मीदवारों के नाम हैं। इनमें 24 सीटों पर आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार उतारे गए हैं।12 उम्मीदवार ऐसे हैं जो 50 वर्ष से कम आयु के हैं और 8 प्रत्याशियों की उम्र 50 से 60 साल के बीच है।

पार्टी महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने नई दिल्ली में यह लिस्ट जारी की। कांग्रेस की पहली सूची में छत्तीसगढ़ से 6, कर्नाटक से 7,

केरल से 16, लक्षदीप से एक, मेघालय से 2, नागालैंड से एक, सिक्कम से एक, तेलंगाना से चार और एक प्रत्याशी त्रिपुरा से घोषित किया गया है।

त्रिपुरा (पश्चिम) से आशीष कुमार शाह को टिकट दिया गया है। आशीष कुमार शाह बीजेपी के विधायक रहे हैं। 2022 में उन्होंने पार्टी छोड़ कांग्रेस का हाथ थाम लिया था।

इनको मिला टिकट

डॉ शिवकुमार डहरिया- जांजगीर-चांपा- छत्तीसगढ़
ज्योत्सना महंत- कोरबा- छत्तीसगढ़
भूपेश बघेल- राजनांदगांव- छत्तीसगढ़
विकास उपाध्याय- रायपुर- छत्तीसगढ़
ताम्रध्वज साहू- महासमुंद- छत्तीसगढ़
राजेंद्र साहू- दुर्ग लोकसभा- छत्तीसगढ़

पार्टी महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अब पूरी तरह से इलेक्शन मोड में है। उन्होंने कहा कि हम चुनाव प्रचार में आक्रामक रास्ते पर चल रहे हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रहे हैं। यह यात्रा गुजरात पहुंच चुकी है। इसकी शुरुआत मणिपुर से हुई और इसका समापन मुंबई में होगा। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है तो केंद्र सरकार में 30 लाख नौकरियां दी जाएंगी।

रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती रोकने के लिए सरकार ने तेज की कार्रवाई

नयी दिल्ली । सरकार ने रोजगार के रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती के मामलों पर कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। राजनयिक स्तर पर रूस की सरकार के साथ बातचीत करके कम से कम 20 भारतीयों को सेवामुक्त करके स्वदेश लाने के प्रयासों के साथ साथ देश में झूठ बोल कर भर्ती कराने वाले एजेंटों के खिलाफ केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा कार्रवाई शुरू की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में पत्रकारों के इस विषय पर सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, "लगभग 20 लोगों ने हमसे संपर्क किया है और हम उनका पता लगाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम रूसी अधिकारियों के संपर्क में हैं।"

प्रवक्ता ने कहा कि जांच में पता चला है कि कई भारतीय नागरिकों को रूसी सेना के साथ काम करने के लिए धोखा दिया गया है। हमने ऐसे भारतीय नागरिकों की शीघ्र कार्यमुक्ति के लिए रूसी सरकार के साथ पूरी दृढ़ता एवं गंभीरता से यह मामला उठाया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा देश में झूठे बहानों और वादों पर भर्ती करने वाले एजेंटों और बेईमान तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। सीबीआई ने कल कई शहरों में छापा मार कर और आपत्तिजनक साक्ष्य एकत्र करके एक प्रमुख मानव तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। कई एजेंटों के खिलाफ मानव तस्करी का मामला दर्ज किया गया है।

श्री जायसवाल ने कहा, "हम एक बार फिर भारतीय नागरिकों से अपील करते हैं कि वे रूसी सेना में सहायक नौकरियों के लिए एजेंटों द्वारा दिए गए प्रस्तावों से प्रभावित न हों। यह जीवन के लिए खतरे और जोखिम से भरा है। हम रूसी सेना में सहायक स्टाफ के रूप में कार्यरत अपने नागरिकों की शीघ्र रिहाई और अंततः उनकी घर वापसी के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सियासत 'आप' का लोकसभा चुनाव अभियान

'संसद में भी केजरीवाल तो दिल्ली होगी और खुशहाल' लॉन्च

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए 'संसद में भी केजरीवाल तो दिल्ली होगी और खुशहाल' अभियान शुक्रवार को लॉन्च किया।

आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दिल्ली के चारों उम्मीदवारों के साथ यह अभियान लॉन्च किया। इस दौरान श्री केजरीवाल ने कहा कि अभी आपका बेटा भाजपा, उपराज्यपाल और केंद्र सरकार से अकेले लड़ रहा है। इस बार इंडिया समूह को सातों सांसद देकर अपने बेटे को मजबूत करें। जब आपकी दवाई- पढ़ाई, बिजली-पानी रोकी जा रही थी, तब भाजपा के सातों सांसद आपको दुखी देखकर ताली बजा

रहे थे। उन्होंने कहा कि आज से 12 साल पहले आम आदमी पार्टी बनी थी और लगभग 10-11 साल पहले दिल्ली के लोगों ने ढेर सारा प्यार देकर, विश्वास करके हम लोगों को भारी बहुमत देकर जिताया था और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाई थी। हम बहुत छोटे और मामूली लोग हैं। फिर भी दिल्ली के लोगों ने बहुत प्यार और विश्वास के साथ हमें इतनी बड़ी जिम्मेदारी दे दी। दिल्ली के हर परिवार का बेटा बनकर और उनके परिवार हिस्सा बनकर उनकी मुश्किलें दूर करने की पूरी कोशिश की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरे देश में केवल दिल्ली और पंजाब में 24 घंटे बिजली मिलती है। इसके अलावा देश के किसी भी राज्य में 24 घंटे बिजली नहीं आती है। वहां लबे-लंबे पावर कट लगते हैं, उद्योगों को बिजली नहीं मिलती है। पूरे देश में केवल दिल्ली और पंजाब में जनता को मुफ्त बिजली मिलती है। कई लोगों की पूरी तनख्वाह ही बिजली के बिल जमा करने में खर्च हो जाती है। हमारे कार्यकर्ता अभियान का पर्चा दिल्ली में घर-घर बांटने जाएंगे। इस पर्चे में वो सारे काम लिखे हुए हैं, जो हमने किये हैं। उन्होंने कहा कि फोर्ब्स मैगजीन ने 2021 में कहा था कि पूरी दुनिया के अंदर सबसे ज्यादा सीसीटीवी कैमरे का घनत्व दिल्ली के अंदर है। आज दिल्लीवालों को इसका फख्र है। हमने केवल पांच साल में दिल्ली में सबसे ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए। श्री भगवंत मान ने कहा, "दिल्लीवालों ने आम आदमी पार्टी को बहुत प्यार दिया है। दिल्ली की जनता ने ही आम आदमी पार्टी की जड़े दिल्ली में जमाई और एक बार 70 में से 67 सीटें तथा दूसरी बार 70 में से 62 सीटें दीं।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

मिथिलांचल की कई सीटों पर ओवैसी की पैनी नजर

पटना।।आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार के सीमांचल और मिथिलांचल में असदुद्दीन ओवैसी फिर से हाथ आजमाएंगे। उनकी पार्टी एआईएमआईएम की नजर राज्य की छह सीटों पर है। इसके अलावा वह चार अन्य सीटों पर अपने लिए संभावनाओं की तलाश में है। यही नहीं पार्टी ने अपने उम्मीदवारी का ऐलान भी कर दिया है। किशनगंज लोकसभा सीट से अमौर के विधायक तथा एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान चुनाव लड़ेंगे।

2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में अख्तरूल ईमान ही पार्टी के उम्मीदवार थे, लेकिन तीसरे स्थान पर रहे थे। यहां से कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। लेकिन अगले ही साल 2020 के विधानसभा चुनाव में किशनगंज लोकसभा क्षेत्र की छह में से चार सीटें एआईएमआईएम ने हथिया ली। उन्होंने इन सभी सीटों पर महागठबंधन उम्मीदवारों को पटकनी दी। हालांकि एक-एक सीट पर कांग्रेस (किशनगंज) और राजद (ठाकुरगंज) को जीत मिली।

बीते चुनाव में जीत एआईएमआईएम की बिहार विधानसभा में उसकी पहली इंट्री थी। हाल का यह अंतिम चुनाव था। ऐसे में एआईएमआईएम के हौसले बुलंद हैं। ऐसे एआईएमआईएम की नजर किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार के साथ-साथ दरभंगा, मधुबनी, सीवान और मधेपुरा व भागलपुर पर भी है। इन इलाकों में अल्पसंख्यकों की प्रभावी उपस्थिति है।

पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम को पांच सीटों पर जीत मिली थी। इनमें किशनगंज में बहादुरगंज, कोचाधामन, अमौर और बायसी जबकि अररिया लोकसभा क्षेत्र में जोकीहाट में उनका विधायक जीता था। ऐसे में किशनगंज को पार्टी अपने लिए मुफीद मान रही है। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में अख्तरूल ईमान को छोड़ जीते चार विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। बीते दिनों उन्होंने राजद की लालटेन थाम ली। ऐसे में अख्तरूल ईमान पार्टी के एक मात्र विधायक रह गए हैं। यह किशनगंज में पार्टी को बड़ा झटका है।

आरके सिंह ने आरा से ठोंकी दावेदारी

पटना। एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं जारी है। बीजेपी के दिग्गज नेता जल्द सीट शेयरिंग का दावा कर रहे हैं। और कहा रहे हैं, कि एनडीए में सबकुठ ठीक है। इस बीच बीजेपी सांसद और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होने कहा कि वो आरा से ही चुनाव लड़ेंगे, जहां से वो सांसद हैं, वहीं एक बार फिर वो दावेदारी ठोंकते हुए नजर आए हैं। आरके सिंह का ये बयान तब सामने आया है। जब बिहार में सीट बंटवारे को लेकर अभी तक किसी तरह का कोई ऐलान नहीं हुआ है। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने कहा कि दो-तीन दिन में सीट बंटवारा हो जाएगा।

डीएलएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 30 से

पटना। डीएलएड कोर्स में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा 30 मार्च से होगी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा से संबंधित निर्देश भी जारी कर दिया है। प्रवेश पत्र समिति के पोर्टल पर परीक्षा से एक सप्ताह पहले जारी कर दिया जाएगा। बिहार बोर्ड के अनुसार राज्यभर के 306 डीएलएड कॉलेजों के 30 हजार 750 सीटों पर नामांकन के लिए 30 मार्च से ऑनलाइन परीक्षा अलग-अलग दिन दो पालियों में होनी है। परीक्षा में शामिल होने के लिए दो लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है। डीएलएड कॉलेजों में नामांकन के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मेधा सूची व नामांकन, विकल्प लॉक करने, सीट आवंटन,स्लाइडअप इत्यादि की प्रक्रिया मई-जून की जाएगी।

जून के अंत तक नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। नया सत्र जुलाई में शुरू होगा। समिति ने कहा है कि सभी संस्थानों में कुल सीट का 50 प्रतिशत विज्ञान तथा 50 प्रतिशत कला, वाणिज्य अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित होगा। उर्दू विषय के अभ्यर्थियों के लिए 10 प्रतिशत स्थान आरक्षित होगा। क्षैतिज आरक्षण के रूप में यह आरक्षण लागू होगा, पर यह आरक्षण लाभ उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगा जिन्होंने प्लस टू स्तर की परीक्षा में उत्तीर्णता उर्दू विषय के साथ हासिल की है। सरकारी नियम के अनुसार कुल स्वीकृत सीटों में से दिव्यांग के लिए पांच प्रतिशत, बिहार राज्य के निवासी सेवारत, सेवानिवृत, दिवंगत, भूतपूर्व सैनिक कर्मचारी के आश्रित पुत्र व अविवाहित पुत्री को पांच प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देय होगा।

अमित शाह कल बिहार दौरे पर, कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

पटना। बिहार में एनडीए की नई सरकार बनने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह पहली बार शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर बिहार आ रहे हैं. इस दौरान अमित शाह राजधानी पटना में नवनिर्मित पार्क और उसमें स्थापित दिवंगत कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा का अनावरण करेंगे. इसके साथ ही गृह मंत्री पटना जिले के पालीगंज कृषि फार्म मैदान में आयोजित एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित करेंगे. इस जनसभा का आयोजन बीजेपी ओबीसी मोर्चा की ओर से किया गया है।

बीजेपी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने शुक्रवार को बताया कि ओबीसी मोर्चा ने आने वाले दिनों में देशभर में 10 हजार सामाजिक सम्मेलन आयोजित करने का फैसला किया है. इसके तहत 09 मार्च को पटना के पालीगंज में सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहेंगे।

कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनोज शर्मा ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोपहर करीब एक बजे पटना पहुंचेंगे. जहां सबसे पहले भाजपा के पितामह कहे जाने वाले दिवंगत कैलाशपति मिश्रा को श्रद्धांजलि देंगे. इसके साथ ही दिवंगत कैलाशपति मिश्रा के नाम पर बने स्मृति उद्यान का उद्घाटन और साथ ही उनकी प्रतिमा का भी लोकार्पण भी करेंगे. अखिल भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र की तरफ से इस पार्क के लिए दो एकड़ जमीन मुहैया कराई गई थी, जहां यह खूबसूरत उद्यान बनकर तैयार हुआ है।

पालीगंज में करेंगे जनसभा

उद्यान के उद्घाटन के मौके पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, सांसद राधा मोहन सिंह, विवेक ठाकुर, रवि शंकर प्रसाद, गंगा प्रसाद, विधायक संजीव चौरसिया, नितिन नवीन सहित कई गणमान्य की मौजूदगी होगी। उसके बाद पालीगंज में जनसभा के लिए रवाना हो जायेंगे। अमित शाह देर शाम ही पटना से वापस दिल्ली के लिए लौट जायेंगे।

बिहार विधान परिषद चुनाव में महागठबंधन ने पांच उम्मीदवारों का नाम किया तय

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव में महागठबंधन की ओर से नामों की घोषणा की गयी है।चुनाव में महागठबंधन की ओर से पांच उम्मीदवार उतारे जाएंगे। इनमें राजद के चार और भाकपा-माले के एक उम्मीदवार अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

राजद के विधायक रामविशुन लोहिया ने कहा कि पार्टी के तरफ से राबड़ी देवी, पूर्व मंत्री अब्दुलबारी सिद्दिकी, पार्टी प्रदेश प्रवक्ता सह महिला राजद की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. उर्मिला ठाकुर, शिवहर संसदीय क्षेत्र के पूर्व उम्मीदवार फैसल अली को कैंडिडेट बनाया गया है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने हमें समर्थन देने का ऐलान किया है। मतलब साफ़ है की कांग्रेस पार्टी से एक भी कैंडिडेट नहीं होंगे। इन नामों पर मुहर शुक्रवार को राबड़ी आवास में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और नेता विपक्ष तेजस्वी यादव की विधायकों के साथ हुई बैठक में ली गयी है।

एमएलसी चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 11 मार्च ही है। ऐसे में अब इस चुनाव में नामांकन दाखिल करने के लिए महज तीन दिनों का ही समय शेष रह गया है। लिहाजा, पार्टी के तरफ से नाम को एलान करने निर्णय लिया जा रहा है। हालांकि,फिलहाल इसकी आधिकारिक जानकारी पार्टी के तरफ से नहीं दी गई है।

विधान परिषद की एक सीट पर जीत के लिए विधानसभा के 21 सदस्यों के वोट की जरूरत होती है। ऐसे में संख्या बल के हिसाब से एनडीए छह सीटों पर जीत हासिल करता दिख रहा है। महागठबंधन ने 5 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। गठबंधन की सभी 5 सीटों पर जीत को लेकर थोड़ा सस्पेंस बढ़ गया है,क्योंकि अभी तक राजद के 4 विधायक नीतीश की नेतृत्व वाले एनडीए के पाले में जा चुके हैं। विपक्ष को पांच सीटों पर जीत के लिए 105 विधायकों के वोट की जरूरत होगी। ऐसे में महागठबंधन की राह मुश्किल नजर आ रही है।

राहुल की नहीं, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर देश की जनता का भरोसा: सुशील मोदी

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार जब 1 रुपये भेजती थी, तब मात्र 15 पैसे जनता तक पहुंचते थे। आज एनडीए सरकार किसानों-गरीबों के खाते में सीधे पैसे भेजती है। देश राहुल गांधी की नहीं, पीएम मोदी की गारंटी पर भरोसा करता है। सुशील मोदी ने शुक्रवार को गयान जारी कर कहा कि बिहार में कांग्रेस न अपने विधायकों को एकजुट रख पा रही है, न उनका भविष्य सुरक्षित है। जो राहुल गांधी अमेठी और रायबरेली सहित उत्तर प्रदेश की किसी सीट से कांग्रेस के जीतने की गारंटी नहीं दे सकते, वे किसानों को फसल खरीदने और 30 लाख युवाओं को नौकरी देने की गारंटी कैसे दे सकते हैं?

उन्होंने कहा कि पिछले साल नवम्बर-दिसम्बर में तीन हिंदी भाषी राज्यों के विधानसभा चुनाव में जनता राहुल गाँधी की गारंटी को खारिज कर चुकी है। जातीय जनगणना कराने का मुद्दा फेल हो गया। मोदी ने कहा कि अमेठी की जनता ने राहुल गाँधी को नकार दिया, इसलिए उन्होंने जमानत जब्त होने के डर से फिर केरल के मुस्लिम-बहुल वायनाड संसदीय क्षेत्र से ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। वहाँ भाकपा पहले ही अपना उम्मीदवार घोषित कर गठबंधन तोड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं दिखायी। उन्होंने राजस्थान से राज्यसभा सदस्य बनने का सुरक्षित रास्ता चुन लिया। हारने के डर से सहमी कांग्रेस की किसी भी गारंटी पर जनता को भरोसा नहीं।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

महाशिवरात्रि के अवसर पर केसरिया में निकाली गई शिव बारात

महोत्सव के रूप में मनाई गई महाशिवरात्रि

केशरनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

अमृतेश कुमार ठाकुर

बीएनएम@केसरिया।महाशिवरात्रि के अवसर पर शुक्रवार को केसरिया नगर क्षेत्र शिवमय हो गया। जहाँ हजारों की संख्या में पहुंचे शिवभक्तों ने उत्तर बिहार के सुप्रसिद्ध केशरनाथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर को महोत्सव के रूप में मनाया गया।

आयोजन को लेकर मंदिर को भव्य व सुंदर तरीके से सजाया गया था। वहीं शिवलिंग को विभिन्न फूलों व फलों से सजाया गया था। जिसकी सुन्दरता देखने को बन रही थी।

महाशिवरात्रि महोत्सव आयोजन समिति के द्वारा इस आयोजन को भव्य व यादगार बनाने को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी की गई थी। आयोजन के दौरान हाथी, घोड़ा, दर्जनों वाहनों व हजारों की संख्या में शिवभक्तों के साथ शिव बारात निकाली गई। मंदिर परिसर से निकाली गई शिव बारात नगर भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर पहुँची। जहाँ वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शिव विवाह की रस्म पूरी की गई।

शिव बारात में आयोजन समिति के अध्यक्ष अवनीश पाठक, पूर्व विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह, पूर्व नपं मुख्य पार्षद रजनीश पाठक, विजय जायसवाल, बच्चूलाल यादव, शुभम कुमार, अमित पाण्डेय, रवि जायसवाल, कन्हैया प्रसाद, शिवनाथ पासवान, केशव प्रसाद जायसवाल सहित अन्य शामिल रहे। इधर, क्षेत्र स्थित विभिन्न शिवालयों, मठ व मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

सुरक्षा का था पुख्ता इंतेजाम

आयोजन के दौरान विधि-व्यवस्था को लेकर प्रशासन मुस्तैद रही। मंदिर परिसर, पीताम्बर चौक सहित करीब डेढ़ दर्जन जगहों पर दंडाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इस बार भारी संख्या में पुलिस बल व बीएसएफ के जवान को भी विधि व्यवस्था में लगाया गया था। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी शिवानी शुभम, पुलिस उपाधीक्षक चकिया सत्येन्द्र कुमार सिंह, थानाध्यक्ष उदय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी हरेक गतिविधि पर नजर बनाए हुए थे। ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न नहीं हो इसको लेकर साहेबगंज की तरफ से आने वाली भारी वाहनों को लाला छपरा-कुशहर मार्ग से निकाला गया। वहीं खजुरिया की तरफ से आने वाले वाहनों के लिए कुशहर-लाला छपरा मार्ग निर्धारित किया गया था।

बाराशंकर पंचायत की रंजना बनी सरपंच

पताही। प्रखंड क्षेत्र के बाराशंकर पंचायत की सरपंच सुषमा देवी के निर्वाचन प्रमाण पत्र को कोर्ट ने अवैध घोषित करके सरपंच पद के लिए रंजना सिंह को निर्वाचित घोषित किया है। 4 मार्च 2024 को जारी किए गए आदेश में माननीय न्यायालय ने रंजना सिंह को सरपंच पद का प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी को निर्देशित किया है। यहां बताते चले कि पंचायत चुनाव 2021 के दरम्यान मतगणना में प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी व गणना कर्मियों द्वारा बुधवार गणना में हेरा फेरी की गई थी।जहाँ रंजना सिंह को बूथ संख्या 79 व 91 में 101 तथा 17 मत प्राप्त हुए थे वहीं वर्तमान सरपंच सुषमा देवी 70 मतों से पीछे थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

मोतिहारी। नगर के डॉ. एस.के.एस महिला महाविद्यालय में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के सुअवसर पर प्राचार्या प्रो. (डॉ.) किरण कुमारी के द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार पूर्वी चंपारण के सौजन्य से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार अध्यक्ष उमेंद्र कुमार वर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण विधिक अधिकार की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकार के तहत आर्थिक रूप से पिछड़ी छात्राओं को आर्थिक सहायता का प्रावधान है, महिला की सुरक्षा हेतु 112 नंबर हमेशा उपलब्ध है। प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. किरण कुमारी ने छात्राओं को संबोधित करते 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के इतिहास व आरंभ पर प्रकाश डाला।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा ने भी छात्राओं को कामायनी की पंक्तियों (नारी तुम केवल श्रद्धा हो........) का पाठ करते हुए कहा कि स्त्री अमृत धारा के समान जीवन में अनवरत बहती रहती हैं। राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव ने भी छात्राओं को संबोधित करते कहा कि जीवन का ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां स्त्रियां परचम नहीं लहरा रही हैं। हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. कुमारी रंजना ने कहा कि स्त्रियों का आंचल उनका बंधन नहीं बल्कि पंख है। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा और सहायक प्राध्यापक कुमारी रंजना ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। उक्त मौके पर सहायक प्राध्यापक डॉ. नीतू, डॉ. मुहम्मद इरशाद आलम, डॉ.अकृति रानी, डॉ. अमृता सिंह, रिमी कुमारी सहित शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में लवली सिंह, विकास कुमार आदि अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

अपराध | लड़की के माँ के पास वहाट्सएप्प काल आई और मोहम्मद इसराफिल अंसारी ने कहा कि अपनी लड़की को भूल जाओ

नाबालिग नेपाली लड़की को केरल ले जाने की कोशिश में गिरफ्तार

रक्सौल। नाबालिग नेपाली लड़की को केरल ले जाने की कोशिश में एक व्यक्ति को मानव तस्करी रोधी इकाई के द्वारा गिरफ्तार किया गया है।जिसकी पहचान मोहम्मद इसराफिल अंसारी (उम्र 26 वर्ष) के रूप में कई गयी है। नेपाल की रहने वाली एक नाबालिग लड़की पूनम कुमारी से इंस्टाग्राम से दोस्ती की। उसने लड़की को अपना असली नाम छुपाकर हिन्दू नाम मुन्ना महतो बताया, 14 वर्षीय नेपाली नाबालिग लड़की ने उस पर विश्वास कर लिया और फर्जी प्रेम के झांसे में फंस गई, फिर वो लड़की को भाग कर शादी करने के बहाने से 11 दिसम्बर 2023 को नेपाल से भारत में भगा कर ले गया।

जब लड़की घर नहीं आई तब लड़की के घर वालों ने लड़की बहुत खोजा किन्तु लड़की का कुछ पता नहीं चला, लड़की के गुम होने के एक महीने बाद एक भारतीय नंबर से लड़की के माँ के पास वहाट्सएप्प काल आई और मोहम्मद इसराफिल अंसारी ने धमकी देते हुए कहा कि अपनी लड़की को भूल जाओ और अब वो कभी वापस नहीं मिलेगी।

लड़की की माँ ने हार मान ली थी शायद अब उनकी लड़की कभी वापस नहीं आएगी। इसके बाद कहीं से लड़की की माता को मानव तस्करी रोधी इकाई क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी बेतिया कार्यालय 47वीं वाहिनी एसएसबी रक्सौल के इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा के बारे में बताया और उनसे मिलने को कहा। और जब इस घटना को बताया गया तब इस पर प्लान और कार्यवाही शुरू की गई। अपने नेपाल क्षेत्र और उत्तराखंड क्षेत्र के सोर्स से जानकारी ली गई और इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा को जल्दी ही मोहम्मद इसराफिल अंसारी की जानकारी मिल गई कि वो भीम ताल, उत्तराखंड (भारत) में लड़की को छुपा कर बैठा है। फिर डाइरेक्टर वीरेंद्र कुमार सिंह, मिशन मुक्ति फाउंडेशन दिल्ली को सहयोग के लिए कहा गया जो कि इसके विशेष विशेषज्ञ हैं साथ मे नेपाली दूतावास का सहयोग रखते हुए, फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रियांक कानूगो एनसीपीसीआर दिल्ली के आदेश पर उत्तराखंड पुलिस, मिशन मुक्ति फाउंडेशन, जिला बाल कल्याण समिति नैनीताल द्वारा को ढुंगशील, भीमताल(जिला नैनीताल उत्तराखंड) में एक रेस्क्यू ओपेरेशन चलाया गया और मोहम्मद इसराफिल अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया व नाबालिग नेपाली लड़की को रेस्क्यू कर लिया गया। काउंसिलिंग के समय नाबालिग लड़की ने बताया कि एक दिन मोहम्मद इसराफिल अंसारी अपना फोन घर में भूल कर घर से बाहर चला गया तब उसके एक रिश्तेदार ने उसके फोन पर काल की तब उसने कहा कि मोहम्मद इसराफिल अंसारी कहाँ है? लड़की ने कहा कि कौन इसराफिल ? तब लड़की को उसका असली नाम पता चला उससे पहले लड़की को उसका नाम मुन्ना महतो पता था।

नेपाली लड़की ने यह भी कहा कि मोहम्मद इसराफिल अंसारी उसे कई बार केरल ले जाने की बात भी कह रहा था शायद अगले महीने ले भी जाने वाला था। अब उत्तराखंड पुलिस इस पर जांच कर रही है कि मोहम्मद इसराफिल अंसारी का मकसद क्या था जो उसे केरल ले जाना चाह रहा था।

पूछताछ के समय यह भी पता चला कि पहले भी और दो लड़कियों से वो शादी कर चुका है और उन लड़कियों को छोड़ चुका है।

जब लड़की की माँ को यह जानकारी दी गई कि उनकी लड़की रेस्क्यू कर ली गई है तब उसने सभी को धन्यवाद दिया और कहा कि हमने तो आस ही छोड़ दी थी कि उन जैसे गरीब लोगों कि गायब बच्ची भी कभी मिल पाएगी। इस स्पेशल रेस्क्यू ओपरेशन को सफल करने में जिनका बहुत बड़ा सहयोग रहा – इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा, डाइरेक्टर वीरेंद्र कुमार सिंह थानाध्यक्ष, जगदीप नेगी, महिला हैड कांस्टेबल गीता कोठारी,महिला कांस्टेबल दीपा सिंह, कांस्टेबल महेंद्र सिंह, कांस्टेबल मनोज पन्त, अमित कुमार, सरिता इत्यादि सम्मिलित रहे।

महिलाओं को तरक्की हेतु खुद तोड़नी होगी सामाजिक बेड़ियां- प्राचार्य

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के एलएनडी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाकर महिलाओं के प्रति चेतनाशीलता का संदेश दिया गया।

प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने सोशल मीडिया कैंपेन पर कहा कि महिलाओं को लगता है कोई आएगा और उनकी बेड़ियां तोड़ देगा, जबकि ये बेड़ियां उन्हें खुद ही तोड़नी होगी। आज सोशल मीडिया में भी पितृसत्ता का भूत घर और समाज की तरह घूमता देखा जा सकता है। इस मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है। यह दिवस महिलाओं को आत्म-सम्मान, आत्म-निर्भरता, आत्म - निर्णय जैसे सद् गुणों से संपन्न कर उन्हें समाज, सियासत और आर्थिक क्षेत्र में तरक्की प्रदान करने के लिए मनाया जाता है। महिलाओं को वर्चुअल स्पेस में भी सपोर्ट की आवश्यकता है। निजी

प्रतिष्ठानों में पुरूषों-महिलाओं के बीच सैलरी गैप की दीवारों को भी ध्वस्त करना होगा। एनएसएस पीओ प्रो.अरविंद कुमार ने इस वर्ष की थीम इंस्पायर इंक्लुजन को रेखांकित करते कहा कि सामाजिक न्याय और लैंगिक

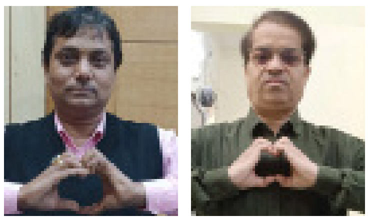

समानता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना हर जगह महिलाओं के साथ एकजुटता से खड़ा है, उनके अधिकारों, सम्मान और सशक्तिकरण की सशक्त वकालत कर रहा है।

राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन ने स्वयंसेवियों के सोशल मीडिया कैंपेन को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज महिलाओं को अर्थव्यवस्था में समान भागीदारी हासिल करने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक सशक्तीकरण होने से महिला-पुरुष की समानता में तीव्रता आएगी। महिला-पुरुष की बराबरी के अभाव में हम समतामूलक, समावेशी और न्यायसंगत राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकते है। इसलिए जन्म देनेवाली देवी स्वरूपा नारियों की अस्मिता का सदा सम्मान किया जाना चाहिए। एनएसएस स्वयंसेवकों व विद्यार्थियों ने व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर व इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म पर महिलाओं के सशक्तिकरण का संदेश पोस्ट कर महिलाओं की अहमियत का संदेश दिया।

स्वयंसेवकों ने महिला सशक्तिकरण पर रीव्स भी बनाकर उन्हें सबल बनने हेतु प्रेरित किया। शिक्षकों की ओर से डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ. सर्वेश दूबे, डॉ. दीपक कुमार, प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. रविरंजन सिंह सहित सभी शिक्षक व एनएसएस स्वयंसेविकाओं की ओर से अनामिका, अर्पिता, सूचिता, आराध्या, गुड़िया, सानिया, सुरूचि, रूचिका, निक्की, पूजा, रिया, सोमैया, अफसाना अंजुम, सुफिया अंजुम, अभिषेक, मनोज, कमलेश, हिमांशु सहित सभी ने सोशल मीडिया कैंपेन द्वारा औरत को बेचारी वाली टैग से बाहर निकलने व निकालने का संदेश दिया।

एलएनडी कॉलेज में शुरू होगी मिडसेम परीक्षा

मोतिहारी। जिले के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में सत्र 2023-27 के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में सेकेंड सेमेस्टर के मिड सेमेस्टर परीक्षा कि परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। प्राचार्य प्रो.(डॉ) राजेश कुमार सिन्हा ने परीक्षा कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि सभी विभागों के सभी विद्यार्थियों के मेजर व माइनर कोर्स की आंतरिक लिखित परीक्षाएं परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 9,10, 11 एवं 12 मार्च को तीन पालियों में ली जाएगी। इस परीक्षा में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को क्रेडिट का नुक़सान हो सकता है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सर्वेश दूबे के अनुसार 9 मार्च को प्रथम पाली में भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान व गणित मेजर कोर्स, द्वितीय पाली में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू एवं दर्शन शास्त्र मेजर कोर्स तथा तृतीय पाली में अर्थशास्त्र व भूगोल मेजर कोर्स की परीक्षा ली जाएगी। शेष पत्रों के मिड सेम परीक्षा की सूचना बाद में दी जाएगी।

महम्मदा मेले का सीओ ने किया फीता काटकर शुभारंभ

महाशिवरात्रि के मेले में गांव के हर जाति धर्म के लोगों ने किया सहयोग: संजीव कुमार सिंह

पताही। प्रखंड क्षेत्र के बलुआ जुल्फेंकारा वाद पंचायत के महम्मादा गांव स्थित आजादी के पूर्व से आयोजित गौरी शंकर शिवमंदिर मेल मैदान में ऐतिहासिक शिवरात्रि मेला का शुभारंभ हुआ।शुक्रवार की सुबह महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य पर आयोजित भव्य मेला एवं भक्तो द्वारा किए जाने वाली जलाअभिषेक का उद्घाटन वैदिक मंत्रोचार के साथ पताही अंचलाधिकारी नाजनी अकरम एवं पंचायत के पूर्व मुखिया संजीव कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। वही गौरी शंकर महादेव मंदिर के शुभारम्भ के बाद पताही अंचलाधिकारी नाजनी अकरम ने कहा कि उन्हें काफी खुशी महसूस हो रही है इस मेला का उद्घाटन करके।इस मंदिर के विकास के लिए उनसे जितना ज्यादा हो सकेगा करेंगी।वही पूर्व मुखिया संजीव कुमार सिंह ने कहा कि हिंदु पुराणों में एक बेहद प्रचलित कथा के अनुसार सागर मंथन के दौरान जब अमृत के लिए देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध चल रहा था, तब अमृत से पहले सागर से कालकूट नाम का विष निकला ये विष इतना खतरनाक था कि इससे पूरा ब्रह्मांड नष्ट किया जा सकता था, लेकिन इसे सिर्फ भगवान शिव ही नष्ट कर सकते थे। तब भगवान शिव ने कालकूट नामक विष को अपने कंठ में रख लिया था इससे उनका कंठ (गला) नीला हो गया इस घटना के बाद से भगवान शिव का नाम नीलकंठ पड़ा लेकिन इस विष के प्रभाव से भगवान शिव का मस्तिष्क गर्म हो उठा और उनके कंठ में जलन होने लगी उनके इस कष्ट को देख सभी देवता चिंतित हो गए। उनके कंठ की जलन को कम करने के लिए सभी देवताओं ने उन्हें बेल पत्र खिलाया, जिससे विष का प्रभाव कम हो गया। उसी तरह इस आयोजन में यहां हर जाति धर्म के लोगों को एक साथ लेकर चलने का काम किया जाता है! मंदिर में जलाभिषेक को लेकर दूर-दूर से आए भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो पाए जिसको लेकर मेरे पंचायत के सभी जाति धर्म के लोग एक साथ खड़े होते हैं और भक्तों को सेवा करते हैं। मौके पर मेला संरक्षक संजीव कुमार सिंह उर्फ लल्लू सिंह, श्याम शंकर सिंह, जयकिशुन साह, मोसाफिर दास, जितेंद्र कुमार, अवधेश प्रसाद, रितेश कुमार,आलोक कुमार, रौशन कुमार, जयशंकर कुमार, सोनू दास, भिखारी दास सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूरो सर्जन डा.रवि भूषण ने जिहुली में किया नि:शुल्क शिविर

पताही। प्रखंड के जिहुली पंचायत स्थित अपने आवास पर एशिया फेम के प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ रवि भूषण शर्मा ने शुक्रवार को मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

मौके पर उपस्थित लोगों को डॉ रवि भूषण शर्मा ने कहा कि आज कल भागदौड़ और व्यस्तता लोगों में अधिक बढ़ गई है।जिससे अक्सर लोगों में डिजनरेशन के कारण सर्वाइकल प्रॉब्लम से जूझना पड़ता है। चिकित्सक इसे बिना समझे चीर फाड़ कर देते हैं। जिससे मरीजों को लाभ के बजाय पीड़ा और बढ जाती है। जबकि सर्वाइकल प्रॉब्लम से मरीजों को अक्सर संयम बरतने व सोने की आदत में सुधार करनी चाहिए कम से कम तकिए का प्रयोग करने के साथ ज्यादा वजन वाली चीजों को उठाने से परहेज करें और थोड़ी सी दवा का प्रयोग भी निश्चित तौर पर ले।

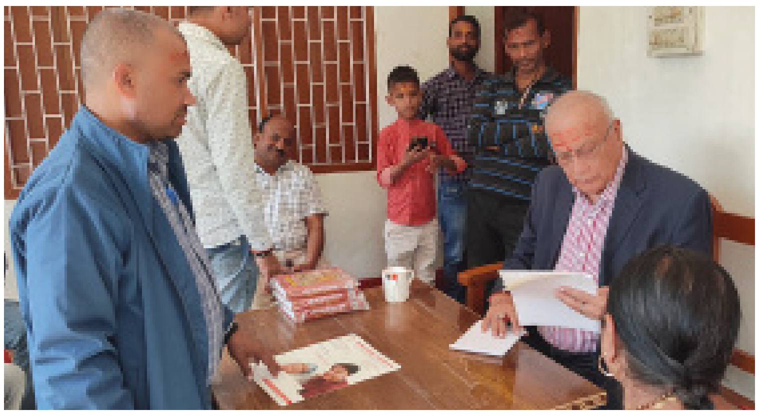

उन्होने कहा कि बीमारी को बिना सर्जरी से ठीक किया जा सकता है ।सर्जरी उसी परिस्थिति में की जानी चाहिए जब मरीजों को दवा के बाद भी सर्वाइकल प्रॉब्लम में सुधार नहीं हो रहा है। सर्जरी पूर्व मरीज का एमआरआई एक्सरे जांच कराना चाहिए ।क्योकी इससे बीमारी का स्टेज पता चल जाता है,और सर्वाइकल जैसी बीमारियों पर बिना सर्जरी काबू पाया जा सकता है ।शिविर में समाजसेवी कृष्ण जीवन शर्मा, मदन शर्मा, उज्जवल शर्मा, विद्यापति स्कूल के संस्थापक विद्यापति झा,श्याम कुमार सिंह, मोहम्मद वारिस, श्रीराम सिंह सहित कई समाजसेवी एवं सैकड़ो मरीज उपस्थित थे।

सांसद ने किया बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण

हरसिद्धि। प्रखंड परिसर में शुक्रवार को सांसद राधामोहन सिंह ने बाबा साहेब भीम राव के प्रतिमा का अनावरण करते हुए नरेंद्र मोदी सरकार के उपलब्धियों को एक एक कर गिनाया । वहीं सांसद ने संबोधित करते हुए बताया कि देश के संविधान निर्माता बाबा साहेब की प्रतिमा की अनावरण कर मुझे गर्व महसूस हुआ, उन्होंने उपस्थित आम जनता को बताया कि देश के लिए बाबा साहेब जो किए उसके बाद से देशवासी उन्हें याद कर रहे हैं, उनकी कृति आज अमर है। सांसद ने बताया कि मोदी है तो देश की विकास होना तय है, मोदी की गारंटी है, इस देश में मोदी जैसे प्रधानमंत्री की आवश्यकता है, मोदी ने देश की करोड़ो गरीब परिवार की आसू पोछे हैं, गरीब को गैस कनेक्शन देकर बेहतर काम किया है।

भोलेनाथ पर जलाभिषेक करने उमड़ा भक्तों का सैलाब

पताही। प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत में स्थापित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, नारायणपुर में स्थापित ठिठर नाथ महादेव मंदिर, महम्मादा शिव मंदिर सहित विभिन्न पंचायतों में स्थापित शिव मंदिर मे शुक्रवार को महाशिवरात्रि को लेकर भक्तों ने उत्सव के साथ भोलेनाथ पर बेलपत्र फूल गंगाजल से जलाभिषेक कर महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। भक्तों ने देवापुर लालबकेया बागमती संगम घाट से जल बोझी करके भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए नाचते गाते झूमते मंदिर तक पहुंच कर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। वही जिहुली नर्मदेश्वर महादेव पर जलाभिषेक करते हुए एशिया फेम के न्यूरो सर्जन डॉक्टर रवि भूषण शर्मा ने बताया कि हिंदु पुराणों में एक बेहद प्रचलित कथा के अनुसार सागर मंथन के दौरान जब अमृत के लिए देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध चल रहा था, तब अमृत से पहले सागर से कालकूट नाम का विष निकला ये विष इतना खतरनाक था कि इससे पूरा ब्रह्मांड नष्ट किया जा सकता था लेकिन इसे सिर्फ भगवान शिव ही नष्ट कर सकते थे तब भगवान शिव ने कालकूट नामक विष को अपने कंठ में रख लिया था इससे उनका कंठ (गला) नीला हो गया इस घटना के बाद से भगवान शिव का नाम नीलकंठ पड़ा लेकिन इस विष के प्रभाव से भगवान शिव का मस्तिष्क गर्म हो उठा और उनके कंठ में जलन होने लगी उनके इस कष्ट को देख सभी देवता चिंतित हो गए। उनके कंठ की जलन को कम करने के लिए सभी देवताओं ने उन्हें बेल पत्र खिलाया, जिससे विष का प्रभाव कम हो गया।

भाजपा की पहली सूची का क्या संदेश?

अजीत द्विवेदी

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टियों ने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी है। पहले इक्का दुक्का पार्टियां ऐसा करती थीं लेकिन अब यह परंपरा बन गई है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने 30 से ज्यादा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। आम आदमी पार्टी ने भी दिल्ली में अपने कोटे की चार सीटों के साथ साथ हरियाणा और गुजरात की सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने एक साथ 195 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की। एक अनुमान के मुताबिक भाजपा देश की 543 में से साढ़े चार सौ से कुछ ज्यादा लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और बाकी सीटें उसकी सहयोगी पार्टियों के खाते में जाएंगी। इस लिहाज से कह सकते हैं कि भाजपा ने एक झटके में अपनी करीब 40 फीसदी सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए। भाजपा की पहली सूची कई मायनों में बहुत दिलचस्प है। जैसे भाजपा के सूत्रों के हवाले से ही दो महीने से खबर आ रही थी कि पार्टी पहले उन सीटों पर उम्मीदवार घोषित करेगी, जहां वह पिछली बार हारी थी या दो-तीन बार से नहीं जीत रही है या पिछली बार बहुत कम अंतर से जीती थी। इसे मध्य प्रदेश मॉडल कहा गया था। भाजपा ने पिछले साल के अंत में मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव में सबसे पहले कमजोर और हारी हुई सीटों पर अपने दिग्गज नेताओं को उम्मीदवार बना कर उतार दिया था। कई केंद्रीय मंत्री और सांसद विधानसभा चुनाव लड़े थे। उसी तर्ज पर लोकसभा चुनाव की पहली सूची आने की चर्चा थी। लेकिन सूची आई तो वह इसके बिल्कुल उलट थी। पार्टी ने उन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की, जहां वह पारंपरिक रूप से बहुत मजबूत है और पिछली बार भारी अंतर से जीती थी। कुछ सीटें ऐसी भी हैं, जहां कांटे की टक्कर थी लेकिन ज्यादातर सीटें ऐसी हैं, जिन पर पार्टी आसानी से जीती थी। इस तरह भाजपा ने मुश्किल सीटों पर घोषणा नहीं की। साथ ही जहां अपनी सहयोगी पार्टियों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत फाइनल नहीं हुई है वहां के उम्मीदवारों का ऐलान भी नहीं हुआ और जिन राज्यों या जिन सीटों पर विपक्षी गठबंधन के मजबूती से लडने् का अनुमान है उन सीटों पर भी घोषणा रोक दी गई। भाजपा की इस बदली हुई रणनीति का मकसद यह दिख रहा है कि वह विपक्षी गठबंधन की पार्टियों में सीट बंटवारा होने और उनके उम्मीदवार आने का इंतजार कर रही है। विपक्षी उम्मीदवारों को देखने के बाद उनके सामाजिक समीकरण और उम्मीदवारों के राजनीतिक कद के हिसाब से भाजपा अपने प्रत्याशी तय करेगी। तभी

ऐसा लग रहा है कि नजदीकी मुकाबले की संभावना वाली सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा थोड़े समय और रूकी रह सकती है। इससे यह जाहिर होता है कि चुनाव जितना आसान बताया जा रहा है उतना आसान नहीं है और भाजपा को इसका अंदाजा है। इसलिए वह मुश्किल सीटों पर ज्यादा दिमाग खपा रही है। भाजपा की पहली सूची की एक खास बात यह है कि पार्टी ने दिल्ली और छत्तीसगढ़ में लगभग पूरा ही बदलाव कर दिया। दिल्ली की सात में से पांच सीटों पर भाजपा ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जिसमें चार पर नए उम्मीदवार उतारे गए हैं। भाजपा ने नई दिल्ली सीट पर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी की जगह दिवंगत सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को उम्मीदवार बनाया है। पश्चिमी दिल्ली में दिवंगत साहेब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को, दक्षिण दिल्ली में रमेश विधूड़ी की जगह रामवीर सिंह वधूड़ी को और चांदनी चौक मे डॉक्टर हर्षवर्धन की जगह प्रवीण खंडेलवाल को उम्मीदवार बनाया है। मौजूदा सांसदों में सिर्फ मनोज तिवारी टिकट पाने में कामयाब हुए हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ में सिर्फ दो लोग- विजय बघेल और संतोष पांडे को रिपीट किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि स्पीकर बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के बेटे अभिषेक सिंह टिकट नहीं हासिल कर सके तो दुर्ग से सांसद रहीं सरोज पांडेय को इस बार कोरबा से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के दिग्गज और आठ बार विधायक रहे ब्रजमोहन अग्रवाल इस बार रायपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे। उधर मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विदिशा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है तो ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना से लड़ेंगे। सबसे दिलचस्प मामला केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते का है, जिनको पिछले साल विधानसभा की टिकट मिली थी और वे हार गए थे। लेकिन इस बार फिर उनको लोकसभा की टिकट मिल गई है। ऐसा लग रहा है कि आदिवासी सीटों पर या तो भाजपा के पास नए उम्मीदवार नहीं हैं या वह वह प्रयोग करने से बचना चाह रही है। कुल मिला कर भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची अपने असर वाले राज्यों में पार्टी का आत्मविश्वास दिखाने वाली है। तभी उसने दिल्ली और छत्तीसगढ़ में बड़ा बदलाव कर दिया तो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में ज्यादातर सांसदों को वापस टिकट दे दिया। उत्तर प्रदेश में घोषित 51 नामों में 47 इस समय सांसद हैं। जिस अंदाज में भाजपा की सूची तैयार हुई है उसे देख कर लग रहा है कि वह हिंदी पट्टी के उत्तरी राज्यों में अपने प्रदर्शन को लेकर बहुत आश्वस्त है। तभी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड आदि राज्यों में उसने एक झटके में ज्यादातर उम्मीदवार घोषित कर दिए। गुजरात के भी ज्यादातर प्रत्याशियों की घोषणा हो गई। लेकिन बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भाजपा सावधानी बरत रही है। यह माना जा रहा है कि असली लड़ाई इन राज्यों में होने वाली है। इन राज्यों में विपक्षी पार्टियों की स्थिति मजबूत है। बिहार और महाराष्ट्र में विपक्ष का गठबंधन भी बहुत मजबूत है। विपक्षी पार्टियों ने इन चार राज्यों के हवाले भाजपा की सीटें कम करने का संकल्प जाहिर किया है। इसलिए भाजपा भी सावधानी बरत रही है। अगर उम्मीदवारों की बात करें तो कुछ बातें बहुत चौंकाने वाली हैं।

जैसे भाजपा ने उत्तर प्रदेश की जौनपुर सीट से कृपाशंकर सिंह को उम्मीदवार बनाया, जो पहले कांग्रेस में थे और मुंबई में राजनीति करते थे। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप लगे थे। फिर भी भाजपा ने उनको टिकट दे दी। इसी तरह पश्चिम बंगाल में आसनसोल सीट पर भोजपुरी गायक पवन सिंह को टिकट देने का मामला है। उनकी बैकग्राउंड और रेपुटेशन चेक किए बगैर उनको टिकट दी गई। घोषणा के 24 घंटे के अंदर ही उनको नाम वापस लेना पड़ा। झारखंड की हजारीबाग सीट पर जयंत सिन्हा की जगह मनीष जायसवाल को उम्मीदवार बनाना भी हैरान करने वाला फैसला है। पार्टी अभी तक झारखंड की 11 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है, जिसमें सिर्फ एक निशिकांत दुबे अगड़ी जाति के हैं। अगर प्रज्ञा सिंह ठाकुर और रमेश विधूड़ी जैसे विवादित बयान देने वाले सांसदों को टिकट नहीं देने का मामला है तो तेलंगाना से लेकर राजस्थान और उत्तर प्रदेश तक दलबदलुओं को खुले हाथ टिकट बांटने का मामला भी है। सो, कह सकते हैं कि भाजपा ने चुनाव जीतने का पैमाना सबसे ऊपर रखा है और उसी आधार पर उम्मीदवारों का फैसला किया है।

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टियों ने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी है। पहले इक्का दुक्का पार्टियां ऐसा करती थीं लेकिन अब यह परंपरा बन गई है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने 30 से ज्यादा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। आम आदमी पार्टी ने भी दिल्ली में अपने कोटे की चार सीटों के साथ साथ हरियाणा और गुजरात की सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है।इसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने एक साथ 195 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की। एक अनुमान के मुताबिक भाजपा देश की 543 में से साढ़े चार सौ से कुछ ज्यादा लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और बाकी सीटें उसकी सहयोगी पार्टियों के खाते में जाएंगी। इस लिहाज से कह सकते हैं कि भाजपा ने एक झटके में अपनी करीब 40 फीसदी सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए। भाजपा की पहली सूची कई मायनों में बहुत दिलचस्प है। जैसे भाजपा के सूत्रों के हवाले से ही दो महीने से खबर आ रही थी कि पार्टी पहले उन सीटों पर उम्मीदवार घोषित करेगी, जहां वह पिछली बार हारी थी या दो-तीन बार से नहीं जीत रही है या पिछली बार बहुत कम अंतर से जीती थी। इसे मध्य प्रदेश मॉडल कहा गया था।

संपादकीय

एक नई लक्ष्मण-रेखा

मोटे तौर पर कहा जाएगा कि कोर्ट की मंशा अच्छी है। लेकिन यह बात भी सही है कि लोकतंत्र में अधिकारों का बंटवारा एक बुनियादी तकाजा है। शासन की एक संस्था दूसरे संस्था के अधिकार क्षेत्र में अपनी पैठ बनाने लगे, तो इसे समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ ने विधायिका और न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्रों के बारे में संविधान में सीमा का पुनर्लेखन कर दिया है। उसने संविधान के अनुच्छेद 105(2) की नई व्याख्या कर दी है, जिसके तहत संसद के अंदर का कथित भ्रष्ट आचरण अब न्यायिक जांच-परख के दायरे में आ जाएगा। अपने ताजा फैसले के जरिए उसने पीवी नरसिम्हा राव बनाम स्टेट' (यानी झारखंड मुक्ति मोर्चा रिश्वत कांड) में 1998 में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया है। वह मामला जन-प्रतिनिधियों के कथित रिश्वत लेकर सदन के अंदर भाषण देने और मत डालने से संबंधित था। 1998 में पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा था कि सांसद और विधायकों पर इस तरह के मामलों में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, क्योंकि उन्हें संसदीय विशेषाधिकार का संरक्षण हासिल है। अब कोर्ट ने कहा है कि इस तरह के आचरण से संसदीय पवित्रता भंग होती है, इसलिए इसे संसदीय विशेषाधिकार का संरक्षण नहीं मिल सकता। मोटे तौर पर कहा जाएगा कि कोर्ट की मंशा अच्छी है। लेकिन यह तथ्य भी अपनी जगह सही है कि लोकतंत्र में अधिकारों का बंटवारा एक बुनियादी तकाजा है। अगर शासन की एक संस्था दूसरे संस्था के अधिकार क्षेत्र में अपनी पैठ बनाने लगे, तो इसे समस्याएं पैदा हो सकती हैं। संविधान में जिस तरह संसदीय विशेषाधिकार का प्रावधान किया गया है, उसी तरह का संरक्षण न्यायपालिका को भी दिया गया है। अनुच्छेद 121 के तहत सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों के जजों के आचरण पर संसद में बहस नहीं हो सकती। अब यह सवाल उठेगा कि आखिर न्यायपालिका को यह संरक्षण क्यों मिले रहना चाहिए? कुछ वर्ष पूर्व एक प्रधान न्यायाधीश पर सुप्रीम कोर्ट के अंदर यौन उत्पीडऩ का आरोप लगा था। उस कांड की सामान्य आपराधिक न्याय प्रक्रिया के तहत जांच नहीं हुई।

राजनीति...

खत्म करें संसदीय विशेषाधिकार

सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने संविधान पीठ का ही फैसला बदल दिया। फर्क इतना था कि 1998 की पीठ पांच न्यायाधीशों की थी, जिसने 'नरसिम्हा राव बनाम सीबीआई' मामला सुना था और 3-2 न्यायाधीशों के बहुमत से फैसला सुनाया था। अब संविधान पीठ सात न्यायाधीशों की है। मुद्दा संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत सांसदों और विधायकों के, सदन के भीतर, विशेषाधिकार का है। पहला केस झामुमो सांसदों को दी गई घूस का था, जिसके एवज में उन्होंने तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के समर्थन में वोट दिए थे। वह अल्पमत सरकार थी और बहुमत के लिए कई सांसदों को 'खरीदा' गया था। विशेषाधिकार यह रहा है कि सांसद और विधायक सदन में अपना वोट बेच सकते थे। संविधान पीठ ने भी इसे 'माननीयों' का विशेषाधिकार करार दिया था। ऐसी घूस के लिए उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता था। यदि 'माननीय' रिश्वत लेकर, रिश्वत देने वाले पक्ष के बजाय, किसी और को वोट देता है, तो उसके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सकता था। नरसिम्हा राव सरकार के संदर्भ में संविधान पीठ का फैसला था कि न्यायपालिका विधायिका के सदन की कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं कर सकती, तो देश को निराशा हुई थी, क्योंकि विशेषाधिकार निरंकुश था। सांसद और विधायक सदन के भीतर कुछ भी बोल सकते थे, कोई भी सवाल पूछ सकते थे, भाषणों की भाषायी मर्यादा लांघ सकते थे, झूठ बोल कर गलत तथ्य पेश कर सकते थे, किसी की छवि बिगाड़ सकते थे, लेकिन वे दंडनीय नहीं थे। स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने 11 सांसदों की सदस्यता बर्खास्त कर दी थी, क्योंकि उन्होंने सदन में सवाल पूछे थे, लेकिन प्रायोजित सवाल पूछने के लिए घूस सदन के बाहर ली थी। बहरहाल अब सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ के सर्वसम्मत फैसले ने न केवल पुराना फैसला अप्रभावी और अप्रासंगिक बना दिया है, बल्कि सांसदों और विधायकों के विशेषाधिकार की परिभाषा ही बदल दी है। यह फैसला 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है, क्योंकि यह संसदीय लोकतंत्र को अपेक्षाकृत ईमानदार, स्वच्छ, शुचितापूर्ण और जिम्मेदार बना सकता है। 'माननीयों' की भेड़-बकरी की तरह खरीद-फरोख्त थम सकती है। सात न्यायाधीशों के फैसले के बाद अब घूस लेकर वोट देना, पैसे लेकर सवाल पूछना अथवा विशेष तरह से भाषण देना, सदन में किसी पर, कुछ भी आरोप लगाते हुए बोलना संसदीय विशेषाधिकार नहीं होगा। संविधान पीठ ने अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) की नई व्याख्या कर दी है। यह उसका संवैधानिक विशेषाधिकार भी है।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के रिश्ते को क्या नाम दें?

राकेश सैन

देश में लोकसभा चुनावों की तैयारी को लेकर 'इंडी' गठजोड़ के तहत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबन्धन हो चुका है। देश के अन्य हिस्सों जैसे दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और गोवा में दोनों दल मिल कर चुनाव लड़ेंगे जबकि पंजाब में एक-दूसरे के खिलाफ। इस अजीबो-गरीब गठजोड़ को देख कर हास्य अभिनेता कादर खान की उस फिल्म में कॉमेडी का स्मरण हो आया जिसमें प्रेमी की माँ और प्रेमिका का बाप भी एक दूसरे के चक्कर में पड़ कर शादी कर बैठते हैं। अब इस रिश्ते से प्रेमी अपनी प्रेमिका का भाई हो गया और उसका अपना पिता उसका ससुर भी बन गया। प्रेमिका भी अपनी माँ को सासू कहे या मम्मी, उसे समझ नहीं आ रहा था। परिवार में इन दोनों जोड़ियों के होने वाले बच्चों के सामने समस्या पैदा हो गई कि कौन किसको किस रिश्ते से पुकारे? इसी तर्ज पर उक्त राजनीतिक गठजोड़ को देख कर यह बात सत्य साबित हो गई है कि देश में नई तरह की राजनीति का वायदा करके आए अरविंद केजरीवाल ने वास्तव में नया कर दिखाया है। हालांकि इस तरह के बेमेल गठजोड़ अतीत में भी कुछ स्थानों पर होते रहे हैं परन्तु राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार यह बेर और केर का साथ चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ चले अन्ना हजारे आन्दोलन से उपजी आम आदमी पार्टी अब उसी के पक्ष में दिखाई दे रही है।

रोचक है कि चुनावों में प्रचार के दौरान पंजाब में कांग्रेस जहां भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार को कोसेगी और अरविंद केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उछालेगी वहीं दोनों दल दूसरे राज्यों में एक-दूसरे की पीठ खुजाएंगे। केंद्र में अगर सत्ता परिवर्तन होता है तो यहां के सांसद चाहे वह कांग्रेस के हों या आप के एक साथ सरकार में बैठेंगे और भाजपा सरकार बनी रहती है तो विपक्ष में गलबहियां डाले दिखेंगे, यानि हमीं से मुहब्बत हमीं से लड़ाई- अरे मार डाला दुहाई दुहाई। पंजाब में इस रिश्ते को फिक्स मैच या नूरा कुश्ती का नाम दिया जाने लगा है। कल 1 मार्च को पंजाब विधानसभा में शुरू हुए बजट सत्र के दौरान कांग्रेस ने पंजाब में शंभू सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन में मारे गए युवक को लेकर आप की सरकार को घेरा तो सत्तापक्ष ने कांग्रेस पर पलटवार किया। भाजपा ने इसे फिक्स मैच बता कर उपहास किया है और कहा है कि किसानों के खिलाफ दोनों अंदर से मिले हुए हैं। इस बेमेल खिचड़ी गठबन्धन को लेकर एक कहानी सुनाई जाने लगी है कि जैसे बाढ़ के समय जान बचाने के लिए अपनी दुश्मनी भुला कर हर तरह के जीव-जन्तु ऊंचाई वाली जगह पर एकत्रित हो जाते हैं परन्तु पानी उतरते ही उनकी मित्रता उसी बाढ़ के जल में प्रवाहित हो जाती है और फिर एक दूसरे की जान के दुश्मन बन जाते हैं। लगता है कि देश में जिस तरह का राजनीतिक वातावरण बना हुआ है और भाजपा की विजय की अभी से भविष्यवाणी करने वालों की संख्या बढ़ रही है, शायद उसी के भय से आम आदमी पार्टी व कांग्रेस ने मिल कर भानुमती का कुनबा जुटाया है। देश के इतिहास में यह दूसरा चुनाव है जब भ्रष्टाचार को लेकर सरकार हावी है और विपक्षी दल रक्षात्मक मुद्रा में हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर तो काफी समय से इस तरह के केस चले आ रहे हैं परन्तु कट्टर ईमानदार अरविंद केजरीवाल व आप के कई बड़े नेताओं पर भी दिल्ली आबकारी घोटाले के छींटे पड़े हैं जो उन्हें बेचैन किए हुए हैं। आम आदमी पार्टी के कई नेता तो जेलों में कैद हैं और यहां तक कि उन्हें इन केसों में सर्वोच्च न्यायालय से जमानत तक नहीं मिल पा रही। ये वही केजरीवाल हैं जो सोनिया गांधी को मंच पर खड़े हो कर भ्रष्टाचारी बताते थे और दिल्ली की पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री दिवंगत शीला दीक्षित के कथित भ्रष्टाचार के सबूतों का पुलिंदा होने का दावा करते थे। दिल्ली विधानसभा चुनावों में उन्होंने दावा किया था कि सत्ता में आते ही इन सबको जेल की हवा खिलाई जाएगी। पर आज वही केजरीवाल कांग्रेस को परम मित्र बताते नहीं अघाते।पंजाब में भी भगवंत मान की सरकार ने आते ही कथित भ्रष्टाचार उन्मूलन अभियान चला कर एक दर्जन के करीब पूर्व कांग्रेसी मंत्रियों व विधायकों के यहां सतर्कता विभाग की छापामारी करवाई और कईयों को जेल में भेजा परन्तु वर्तमान में न जाने किस कारण से उनका यह अभियान केवल पटवारियों और कलर्कों तक सीमित हो कर रह गया।

बड़े नेताओं के केस लम्बी तारीख पर डाल दिए गए हैं। पंजाब के बड़े कांग्रेसियों के भ्रष्टाचार पर न केवल भगवंत मान बल्कि उनके मंत्रियों व नेताओं तक ने बोलना कम कर दिया।

जैसे कि बताया जा चुका है कि विरोधी दलों से गठजोड़ होना कोई नई बात नहीं है परंतु किसी दो दलों में एक स्थान पर तो गठबंधन हो और दूसरी जगह पर एक-दूसरे से भिड़ते दिखें तो अतीत में ऐसा राजनीतिक उदाहरण दुर्लभ ही है। कहने को दोनों दल दावा करते हैं कि वे देश में लोकतंत्र व संविधान

साहित्य देश और समाज का दर्पण

डॉ. सत्यवान सौरभ

साहित्य किसी भी देश और समाज का दर्पण होता है। इस दर्पण को साफ़-सुथरा रखने का काम करती है वहां की साहित्य अकादमियां। लेकिन सोचिये क्या होगा? जब देश या राज्य का आईना सही से काम न कर रहा हो तो वहां की सरकार पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। जी हाँ, ऐसा ही कुछ हो रहा है देश के राज्यों की साहित्य अकादमियों में। किसी भी राज्य की साहित्य अकादमी के अध्यक्ष है होते हैं राज्य के मुख्यमंत्री। मुख्यमंत्री जिस संस्था के अध्यक्ष हो वही संस्था अगर सही से काम न करें तो बाकी संस्थाओं की स्थिति का अंदाज़ा आप लगा सकते है।

आज हम देखते हैं कि अधिकांश साहित्य और कला अकादमियों के मंच पर पुरस्कृत होने वाले लोगों में अधिकतर को कोई जानता भी नहीं है। यह सच है कि आज जितनी राजनीति में राजनीति है उससे अधिक राजनीति साहित्य और कलाओं में है। प्रेमचंद ने साहित्य को राजनीति के आगे जलने वाली मशाल कहा था। लेकिन देश भर में आज साहित्य राजनेताओं के पीछे चल रहा है। पिछले दशकों में हुए साहित्य, संस्कृति और भाषा के पतन का असर आगामी पीढ़ियों तक जाएगा। लेकिन किसे फिक्र है। राज्य अकादमी पुरस्कारों की वार्षिक गतिविधियां संदिग्ध है। जो कार्य एक वर्ष में पूर्ण होने चाहिए उनको करने में सालों लग रहें है। पुरस्कारों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया स्पष्ट और समयानुसार नहीं है। उदाहरण के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी के वार्षिक परिणामों की घोषणा का साल खत्म होने को है, मगर अभी तक नहीं हुई है। न ही आगामी साल का प्रपत्र जारी किया गया है। एक अकादमी के भीतर क्या- क्या खेल चलते है? पारदर्शिता के अभाव में किसी को पता नहीं चलता।

वैसे कोई भी पुरस्कार या सम्मान उत्कृष्टता का पैमाना नहीं हो सकता। हिंदी भाषा में निराला, मुक्तिबोध, फणीश्वरनाथ रेणु, धर्मवीर भारती, राजेंद्र यादव, असगर वजाहत जैसे महत्वपूर्ण कवियों-लेखकों को भी साहित्य अकादमी पुरस्कार नहीं दिया

गया और बहुत से ऐसे लेखकों को पुरस्कृत किया गया, जिन्हें कभी का भुलाया जा चुका है। इस बारे में विचार करना चाहिए और पुरस्कार की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना चाहिए। आज जिस प्रकार से सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त करने के लिए कुछ योग्य एवं अयोग्य साहित्यकार, कवि, लेखक, कलाकार साम-दाम-दण्ड-भेद सब अपना रहे हैं और अपने प्रयासों में प्रायः सफल भी हो रहे हैं, उससे सम्मानों और पुरस्कारों के चयन की प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है। पुरस्कारों की दौड़ में साहित्य का भला नहीं हो सकता।

पुरस्कारों की दौड़ में खोकर,
भूल बैठे हैं सच्चा सृजन।
लिख के वरिष्ठ रचनाकार,
करते है वो झूठा अर्जन। ।
मस्तक तिलक लग जाए,
और चाहे गले मे हार।
बड़े बने ये साहित्यकार। ।

आज साहित्य और कला जगत में बहुत सी संस्थाएं काम कर रही है। जब मैं इन संस्थाओं की कार्यशेळी देखता हूँ या इनके समारोहों से जुडी कोई रिपोर्ट पढ़ता हूँ तो सामने आता है एक ही सच। और वो सच ये है कि किसी क्षेत्र विशेष या एक विचाधारा वाली संस्थाएं आपस में अग्रीमेंट करके आगे बढ़ रही है। ये एग्रीमेंट यूं होता है कि आप हमें सम्मानित करेंगे और हम आपको। और ये सिलसिला लगातार चल रहा है अखबारों और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरता है। खासकर ये ऐसी खबर शेयर भी खुद ही आपस में करते है। आम पाठक को इससे कोई ज्यादा लेना देना नहीं होता। अब बात करते है सरकारी संस्थाओं और पुरस्कारों की।

इनकी सच्चाई किसी से छुपी नहीं। जिसकी जितनी मजबूत लाठी, उतना बड़ा तमगा। सिफारिशों के चौराहों से गुजरते ये पुरस्कार पता नहीं, किस को मिल जाये। किसी आवेदक को पता नहीं होता। इनकी बन्दर बाँट तो पहले से ही जगजाहिर है। ऐसे पुरस्कारों की विश्वसनीयता को लेकर देश भर में गंभीर आरोप लग रहे हैं। सच्चा रचनाकार इनके चक्कर में कम ही पड़ रहा है।

अब चला हाशिये पे गया,
सच्चा कर्मठ रचनाकार।
राजनीति के रंग जमाते,
साहित्य के ये ठेकेदार। ।
बेचे कौड़ी में कलम,
हो कैसे साहित्यिक उद्धार।
बड़े बने ये साहित्यकार। ।

आज संस्थाएं एक दूजे की हो गयी है। एक दूसरे को सम्मानित करने और शॉल ओढ़ाने में लगी है। सरकारी पुरस्कार बन्दर बाँट कहे या लाठी का दम। जितनी जान-पहचान उतना बड़ा तमगा। ये प्रमाण पुरस्कार विजेताओं की प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हैं। आज देशभर की साहित्य अकादमियां पद और पुरस्कारों की बंदर बांट करने में लगी है। अधिकांश अकादमियों के कामकाज को देखकर तो यही लगता है। जब तक विशेषज्ञता के क्षेत्र में राजनीतिक नियुक्तियां होती रहेगी तब तक ऐसी दुर्घटनाएं होती रहेगी। सिविल सेवा कमिशन और प्रदेशों की अकादमी में सदस्यों और अध्यक्षों की राजनीतिक नियुक्तियों ने इन संस्थाओं की विशेषज्ञता पर प्रश्न चिन्ह लगाए हैं। पिछले दशकों में पुरस्कारों की बंदर बांट कथित साहित्यकारों, कलाकारों और अपने लोगों को प्रस्तुत करने के लिए विशेष साहित्यकार, पुरोधा कलाकार, साहित्य ऋषि जैसी कई श्रेणियां बनी है। जिसके तहत विभिन्न अकादमियां एक दूसरे के अध्यक्षों को पुरस्कृत कर रही है और निर्णायकों को भी सम्मान दिलवा रही है। इन पुरस्कारों में पारदर्शिता का अभाव है। बिना साधना के कैसा साहित्य?

देव-पूजन के संग जरूरी,
मन की निश्छल आराधना। ।
बिना दर्द का स्वाद चखे,
न होती पल्लवित साधना। ।
बिना साधना नहीं साहित्य,
झूठा है वो रचनाकार।
बड़े बने ये साहित्यकार। ।

अब समय आ गया है कि देश की सभी राज्य अकादमियों को केंद्रीय साहित्य अकादमी की तरह सचमुच स्वायत बनाया जाए और इनका काम पूरी तरह से साहित्यकारों, कलाकारों को सौंपा जाए। किसी भी अकादमी के वार्षिक कार्यों की प्रगति समयानुसार और पूरी तरह पारदर्शी बनाने पर जोर देना होगा ताकि सच्चे साहित्यकारों का विश्वास उन पर बना रहे।

शैम्पू करते हुए करेंगे यह गलतियां तो झड़ने लगेंगे बाल

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है।

बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है।

अगर आप शैम्पू करते हुए कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स करते हैं तो इससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शैम्पू से जुड़ी उन गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपको बचना चाहिए-

जोर से रगडऩा

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह शैम्पू करते हुए बालों को तेजी से रगड़ते हैं। लेकिन आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, जिस समय आप बालों को वॉश करते हैं, उस समय वह बेहद कमजोर होते हैं। ऐसे में अगर उन्हें जोर से रगड़ा जाए तो वह टूटने लग जाते हैं। आप चाहें तो शैम्पू करने के बाद हल्की मसाज कर सकते हैं, लेकिन तेजी से रगडने से बचें।

कंडीशनर को स्किप करना

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बार-बार शैम्पू स्विच करना

कई बार ऐसा होता है कि हम टीवी में कोई ऐड देखते हैं और उससे प्रभावित होकर किसी नए ब्रांड का शैम्पू ले आते हैं। लेकिन इस तरह बार-बार शैम्पू को स्विच करना बालों के लिए सही नहीं माना जाता। कई शैम्पू में केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है और यह आपके बालों को डैमेज भी कर सकते हैं।

नाक पर पड़े चश्मे के दाग, इन नुस्खों से हटाए इन्हें

वर्तमान समय में देखने को मिलता हैं कि हर पांचवे शख्स की आंखों पर चश्मा लग चुका हैं, बड़े तो बड़े, बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं। जिनकी आंखों पर पावर का चश्मा लगा होता है उनकी सबसे बड़ी समस्या यह होती है उन्हें हमेशा चश्मा पहने रहना पड़ता है।

लगातार कई घंटो तक रोज चश्मा पहनने की वजह से हमारी नाक पर काले निशान पड़ जाते हैं, जो देखने में बेहद खराब लगते हैं। नाक पर पड़े चश्मे के ये दाग चेहरे की खूबसूरती को घटाते हैं। लेकिन घर में ही मिलने वाली कुछ चीजों का उपयोग करके आप आसानी से इन धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको बताने वाले है नाक पर बने चश्मे के काले निशानों को हटाने के तरीको के बारे में। आइये जानते हैं...

खीरा

खीरा खूब खाएं भी और इसे चश्मे के निशान को हटाने के लिए इस्तेमाल भी करें। छोटे-छोटे टुकड़े काट कर निशान वाली जगह पर रखें या फिर पेस्ट बनाकर लगाएं। 10 मिनट के लिए सूखने दें फिर पानी से साफ कर लें। खारी त्वचा को कूलिंग एफेक्ट देता है। विटामिन के होता है, जो त्वचा को चमक प्रदान करता है। दाग-धब्बों को कम करता है।

एलोवेरा

एलोवेरा की पत्ती को बीच से काट लें और उसके गूदे का पेस्ट बना लें। अब इसके पेस्ट को नाक पर बने हुए निशान पर लगाएं और हल्के हाथों मसाज करें। एलोवेरा में मॉइस्चराइजिंग और एंटी-एजिंग गुण पाए जाने के कारण यह नाक पर बनने वाले निशान को कुछ दिनों में गायब कर देगा।

टमाटर

टमाटर चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में बहुत कारगर होता है। इसमें एक्सफोलिएशन का गुण पाया जाता है। जिससे आपके चेहरे की मृत त्वचा हट जाती है। अपने चेहरे और नाक के काले धब्बे हटाने के लिए टमाटर का पेस्ट बनाकर लगाएं। इसके उपयोग से कुछ ही दिनों में आपके नाक के दाग दूर हो जाएंगे।

आलू

आलू में कई प्राकृतिक गुण होते है और इसलिए यह हमारे स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आलू में कुछ ऐसे तत्व होते है तो चेहरे

के दाग धब्बों को हटाने में कारगर साबित होते है। इसलिए आंखों के नीचे और नाक पर काले निशानों को हटाने के लिए कच्चे आलू को छिलकर उसका रस निकाल लें और इसे अपने आंखों के आस पास लगाएं और पद्रंह मिनट के लिए छोड़ दें। प्रदंह हमनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का रस

इसे लगाने से भी त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर किया जा सकता है। नींबू के रस को आप चश्मे के निशान वाली जगह पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब पानी से साफ कर लें। नींबू के रस में मौजूद ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज दाग-धब्बों को कम कर चेहरे में निखार लाता है। इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो त्वचा को हेल्दी रखते हैं, फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं।

संतरे के छिलके

ताजे संतरे के छिलके का उपयोग करके भी चश्मे के कारण पडने वाले निशान को दूर किया जा सकता है। संतरे के छिलके को पीसकर इसमें हल्का सा दूध मिला लें और निशान वाली जगह पर हल्के हाथों मालिश करें। एंटीसेप्टिक और हीलिंग का गुण होने के कारण यह नाक पर पडने वाले निशान को गायब कर सकता है।

शहद लगाएं

नाक पर चश्में के कारण बने काले निशानों को हटाने के लिए शहद और दूध को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें थोड़ा सा जई का आटा भी मिलाएं। इस पेस्ट को निशान वाली जगह पर लगाएं।

इसे चेहरे पर बीस मिनट तक लगे रहने दें फिर ठंडे पानी से धो लें। इसे रोज लगाने की कोशिश करें। निशान जरूर दूर हो जाएंगे।

बादाम तेल

बादाम के तेल में विटामिन इ की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो स्किन पर मौजूद किसी भी तरह के निशानों को दूर करने की क्षमता रखता है। अगर आपके नाक पर भी चश्मा पहनने के कारण निशान पड़ गए है तो एक बार इस उपाय का इस्तेमाल करके देखें। इसके लिए रात को सोने से पहले रोजाना अपनी नाक के दाग वाले हिस्से पर बादाम तेल से मालिश करें। कुछ ही दिनों में दाग हमेशा के लिए गायब हो जाएंगे।

गुलाबजल

ग्लोइंग और खूबसूरत त्वचा के लिए गुलाबजल का प्रयोग बड़े स्तर पर किया जाता है लेकिन क्या आप जानती है की इसकी मदद से आप अपनी नाक पर पड़े चश्मे के दागों को भी हमेशा के लिए हटा सकती है। इसके लिए रात को सोने से पहले रुई से अपनी नाक पर गुलाबजल लगाएं। नियमित रूप से इसका प्रयोग करने से आपके दाग हमेशा के लिए दूर हो जाएंगे।

शरीर में आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं ये लक्षण

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है कि शरीर में सभी आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति की जाए। स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार खाना काफी जरूरी होता है। हमारे शरीर के संपूर्ण विकास के लिए कई सारे पोषक तत्व जरूरी होते हैं। ऐसे में पौष्टिक आहार की मदद से शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। यह बेहद जरूरी है कि इसकी कमी होने पर तुरंत ही शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

पीली त्वचा

खून में मौजूद हीमोग्लोबिन की वजह से आमतौर पर हमारी त्वचा हल्की लाल रंग की नजर आती है। लेकिन अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपकी स्किन के रंग में बदलाव आने लगता है। आयरन की कमी की वजह से अक्सर त्वचा पीली नजर आने लगती है। इसके अलावा स्किन पर काले या नीले रंग के दाग भी बन सकते हैं।

हाथों-पैरों का ठंडा होना

शरीर में आयरन की कमी होने पर हाथ-पैर ठंडे रहने लगते हैं। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपको भी हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने अंदर लगातार इस तरह के संकेत देख रहे हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

नाखूनों का कमजोर होना

आयरन की कमी होने पर इसका असर हमारे नाखूनों पर भी नजर आता है। आमतौर पर कमजोर नाखून कैल्शियम की समस्या की वजह से हो सकते हैं, लेकिन कई बार यह आयरन की कमी का संकेत भी होते हैं। ऐसे में अगर आपके नाखून भी कमजोर पर ज्यादा टूट रहे हैं, तो आपको इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बालों की समस्या

नाखूनों के साथ ही आयरन की कमी की वजह से बालों पर भी असर पड़ता है। हीमोग्लोबिन के निर्माण में आयरन एक अहम भूमिका निभाता है।

ऐसे में अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इससे आपके नाखून और बाल भी प्रभावित होने लगते हैं। दरअसल, आयरन की कमी की वजह से बालों को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे वह झड़ने और कमजोर होने लगते हैं।

आयरन की कमी के अन्य लक्षण

शरीर में आयरन की कमी अक्सर एनीमिया की समस्या को जन्म देती है। यह एक गंभीर समस्या होती है। अगर शुरुआती स्तर में इसकी पहचान कर ली जाए, तो वक्त रहते इसे सही इलाज की मदद से ठीक किया जा सकता है। आयरन की कमी के कुछ अन्य सामान्य लक्षण निम्न हैं-

थकान, बेहोशी, सिर दर्द, कमजोरी, छाती में दर्द, गले में खराश, जीभ में सूजन, सांस लेने में तकलीफ, मुंह के किनारों का फटना, दिल के धड़कन का बढ़ना।

किन चीजों से करें आयरन की पूर्ति

शरीर में आयरन की कमी एक गंभीर हालात उत्पन्न कर सकती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि समय से इसके लक्षणों की पहचान कर

शरीर में इसकी पूर्ति की जाए। अगर आप आपके शरीर में भी आयरन की कमी है, तो आप इसके कमी पूरी करने के लिए अपनी डाइट में रेड मीट और पोल्ट्री, सी फूड, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां सूखे मेवे, किशमिश और खुबानी आदि को शामिल कर सकते हैं।

ये हैं भारत के आकर्षक पर्यटन स्थल, जहां आप खुद को भी भूल जाएं

जयपुर – गुलाबी शहर

"गुलाबी शहर" के नाम से जाना जाने वाला यह शहर राजस्थान में स्थित है। यह शहर विभिन्न प्रकार के किलों एवं प्राचीन इमारतों से भरा पड़ा है। भारत के पर्यटक स्थलों में जयपुर एक अभिन्न हिस्सा है। लोगों के बीच सबसे ज्यादा प्रख्यात है हवा महल।अगर यहाँ आकर आपने हवा महल नहीं देखा तो आपकी यात्रा अधूरी है। राजस्थानियों के बीच रहकर आप खुद को.कभी बेगाना नहीं समझेंगे क्योंकि इनकी बोली में अपनापन है। आप यहाँ अंबेर किला, जयगढ़ किला, नाहरगढ़ किला, जंतर-मंतर, रामबाघ महल आदि घूम सकते हैं।

दार्जिलिंग – पहाड़ों की रानी

भारत के प्रमुख पर्यटन स्थल में से एक दार्जिलिंग भी है जिसे "पहाड़ियों की रानी" भी कहा जाता है। एक ओर मन को विलुप्त करने वाले पहाड़ हैं तो दूसरी तरफ हरे-भरे खूबसूरत चाय के बागान ।यह विश्व की सर्वश्रेष्ठ चाय का उत्पादन करने वाला क्षेत्र है। अन्य आकर्षित स्थान हैं- टाइगर हिल, टॉय ट्रेन, पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क और हैप्पी वैली टी एस्टेट।

कन्याकुमारी – असीमित जल का क्षेत्र

कन्याकुमारी तीनों ओर से असीमित पानी से घिरा हुआ है। एक ओर अरब सागर है, दूसरी ओर हिन्द महासागर और तीसरी तरफ बंगाल की खाड़ी। यहाँ सूर्यास्त होने का नज़ारा एक अनोखा अनुभव है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता ।यहाँ आपको दक्षिण भारतीय संस्कृति देखने को मिलेगी। अगर आप दक्षिण भारतीय लजीज़ पकवानों के शौकीन हैं तो यहाँ ज़रूर आइए। कुछ अन्य जगह भी हैं जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हुई हैं जैसे विवेकानंद रॉक मैमोरियल, थिरुवल्लुवर मूर्ति, भगवती अम्मन मंदिर, कन्याकुमारी बीच और पदमनाभापुरम महल।

कश्मीर – भारत का स्वर्ग

कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहा जाता है। इस जगह की हसीन वादियाँ आपको इस कदर वश में कर लेंगी कि आप बस इसे के होकर रह जाएंगे। बर्फ से ढके ऊँचे पहाड़ और पेड़-पौधे देखकर आप प्रकृति के रंग में रंग जाएंगे और आपको ऐसा महसूस होने लगेगा की आप इन पत्तों की सरसराहट की भाषा समझ रहे हैं। झील से गिरती पानी की लहर आपको अपनी बाँहों में समेट लेंगी। आप को यकीनन स्वर्ग जैसी अनुभूति होगी। गुलमार्ग, डल झील, सोनमार्ग, पहलगाम आदि जैसी खूबसूरत स्थान आपको मग्न कर देंगे और आप यहाँ बार-बार आना चाहेंगे।

गोवा – छुट्टियों का पसंदीदा गंतव्य

यह शहर यहाँ मौजूदा बीचों के लिए लोकप्रिय है। आप यहाँ किसी भी मौसम में आकर अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी को विश्राम दे सकते हैं। सुबह की शुरुआत पानी के खेलों से कीजिए, फिर शाम को ढलते सूरज को देखते हुए इसे कैमरे में कैद कीजिए, और रात को क्लब में पैर थिरकाते हुए बिताइए। आपको एक ही दिन में विभिन्न प्रकार के लुत्फ़ उठाने का मौका मिलेगा । आप यहाँ चर्च अथवा मंदिर में जाकर मन को कुछ पल की शांति प्रदान कर सकते हैं।

लेह/लद्दाख – बर्फ की चादर से घिरा शहर

जम्मू कश्मीर के पूर्वी भागों में स्थित लद्दाख लेह की राजधानी है और भारत के पर्यटन स्थल में से सबसे लोकप्रिय है। गर्मियों के मौसम में यह पर्यटकों से घिरी रहने वाली जगहों में से एक है जहाँ आप रास्तों को बर्फ़ की मोटी चादरों से ढका पाएंगे। इस जगह के दो पहलू हैं – पहला आपको आल्ची, थिकसे, लामायुरु आदि जैसे मठों के दर्शन करा कर आध्यात्मिकता में डूबो देगा और दूसरा आपको माउंटेनियरिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग आदि चीजों से रोमांचित कर देगा। आप यहाँ अपने मित्रों के साथ एक बार तो अवश्य आएं और आनंदविभोर हो जाएं।

ट्रैकिंग के लिए बेहतरीन है हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जाना जाता है। हिमालय की गोद में बसे हिमाचल प्रदेश में कई पर्टयन स्थल हैं। साथ ही बिजली महादेव, भीम का किचन, ज्वाला धाम मंदिर समेत कई अन्य धार्मिक पावन स्थल हैं।

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश में कई ट्रैकिंग पॉइंट्स हैं, जो आकर्षण का केंद्र हैं। गर्मी के दिनों में बड़ी संख्या में पर्यटक ट्रैकिंग के लिए हिमाचल प्रदेश जाते हैं। अगर आप भी जून के महीने में ट्रैकिंग पर जाना चाहते हैं, तो हिमाचल प्रदेश की इन जगहों पर एक बार जरूर जाएं।

आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं-अगर आप एडवेंचर ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो पिन पार्वती दर्रा जरूर जाएं। ट्रैकिंग और हाईकिंग के लिए सबसे खतरनाक स्पॉट में पिन पार्वती दर्रा की गिनती होती है। हर मोड़ पर आपको एडवेंचर का अहसास मिलेगा। पिन पार्वती दर्रा में हाईकिंग 10 दिनों में पूरी होती है। ट्रैकिंग पूरी करने के बाद हॉट स्प्रिंग बॉथ जरूर करें। ऐसा कहा जाता है कि हाईकिंग के बाद हॉट स्प्रिंग बॉथ जरुरी है।

ट्रैकिंग की शुरुआत करने वाले ट्रैकर के लिए हामटा पास दर्रा सबसे बेस्ट पॉइंट है। हालांकि, 14 हजार फ़ीट की ऊंचाई तक हाईकिंग करनी पड़ती है। इस दर्रे में घना जंगल है। अगर आप पहली बार हाईकिंग पर जाना चाहते हैं, तो हामटा पास दर्रा जरूर जाएं।

फ्रेशर और एक्सपेरिएंस्ड दोनों ही तरह के पर्यटक हाईकिंग के लिए व्यास कुंड दर्रा जा सकते हैं। व्यास कुंड कुल्लू जिले में स्थित है। व्यास कुंड में ट्रैकिंग ऊंचाई 13 हजार फ़ीट है।

वहीं, ट्रैकिंग दूरी कुल मिलाकर 16 किलोमीटर है। जानकारों की मानें तो ट्रैकिंग करने में कुल मिलाकर दो दिन लगते हैं। आप चाहे तो घाटी में आकाशीय खूबसूरती देखने के लिए सोलंग वैली में टेंट डालकर रात बिता सकते हैं।

विश्व धरोहर की सूची में शामिल है मैसूर पैलेस

अगर आप थोड़े धार्मिक प्रवृत्ति के हैं तो निकल जाएं चामुंडी हिल्स की ओर, जहां स्थित है चामुंडेश्वरी मंदिर। चामुंडेश्वरी देवी को दुर्गा मां का ही रूप हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी जगह मां ने महिषासुर राक्षस का संहार किया था। चामुंडी पहाड़ पर मंदिर से पहले महिषासुर की एक बड़ी सी मूर्ति बनी हुई है।

अगर आप कहीं घूमने का प्लान ब रहे हैं तो उस सूची में मैसूर का नाम भी जोड़ लें। मैसूर आने के लिएतो एक से दो दिन एक्स्ट्रा लेकर आएं और यहां की मशहूर और खूबसूरत जगहों का दीदार करना न भूलें। विश्व धरोहर की सूची में शामिल है मैसूर पैलेस जिसकी खूबसूरती देखते ही बनती है। मैसूर आकर ये महल नहीं देखा तो समझ लीजिए बहुत कुछ मिस कर दिया।

हर रविवार यहां लाइट शो का आयोजन होता है जिसे देखना अद्भुत एक्सपीरियंस है। महल का अच्छे से दीदार करने के लिए कम से कम 2 से 3 घंटे का समय लेकर जाएं। महल के आसपास भी कई ऐसी इमारतें हैं जिन्हें देखना और फोटोग्राफी यादगार अनुभव होता है।

ये मैसूर शहर का बहुत ही पुराना लेकिन खचाखच भीड़ से भरा रहने वाला पर्यटन स्थल है। मैसूर जू आकर आप लगभग 150 अलग-अलग प्रजातियों के जीव-जंतुओं का दीदार कर सकते हैं। बस यहां घूमने से पहले मैप साथ रखना न भूलें क्योंकि बिना मैप के कई सारी खूबसूरत जगहें मिस हो सकती हैं। जू में घूमते हुए बंदर, बिल्लियां ऐसे ही चहलकदमी करते हुए दिख जाते हैं।

अगर आप थोड़े धार्मिक प्रवृत्ति के हैं तो निकल जाएं चामुंडी हिल्स की ओर, जहां स्थित है चामुंडेश्वरी मंदिर। चामुंडेश्वरी देवी को दुर्गा मां का ही रूप हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी जगह मां ने महिषासुर राक्षस का संहार किया था। चामुंडी पहाड़ पर मंदिर से पहले महिषासुर की एक बड़ी सी मूर्ति बनी हुई है।

नवरात्रि के दौरान तो यहां श्रद्धालुओं की भीड़ रहती ही है लेकिन आम दिनों में भी मैसूर आने वाले पर्यटक इस जगह के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। चामुंडेश्वरी मंदिर 18 महाशक्ति पीठों में से एक है। यहां माता सती के बाल गिरे थे।

बंगलौर से 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह बर्ड सेंचुरी है घूमने के लिए बहुत ही बेहतरीन जगह। यहां आकर आप जलकाग, स्पूनबिल, अश्वेत आइबिस, तीतर, घड़ियाल, मगरमच्छ, बगुले व सारस जैसे और भी कई पशु-पक्षियों को देख सकते हैं। ये जगह प्रवासी पक्षियों के लिए भी आदर्श है। बच्चों के साथ अगर आप मैसूर ट्रिप प्लान कर रहे हैं तो यहां आकर वो यकीनन भरपूर एंजॉय कर पाएंगे।

मडगांव एक्सप्रेस में पहली बार कॉमेडी किरदार में नजर आएंगे प्रतीक गांधी

अभिनेता से निर्देशक बने कुणाल खेमू की फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का ट्रेलर आज मंगलवार को मुंबई में लॉन्च हुआ। इस फिल्म की कहानी भी खुद कुणाल खेमू ने ही लिखी है। कुणाल खेमू ने बताया कि इस फिल्म की कहानी वह पहले अपने लिख रहे थे, लेकिन जब उन्होंने इस फिल्म को निर्देशित करने की सोची तो उन्होंने इस फिल्म में एक्टिंग करने के बारे में नहीं सोची। क्योंकि दोनों जिम्मेदारी एक साथ निभाना उनके लिए बहुत मुश्किल था। अभिनेता प्रतीक गांधी फिल्म में पहली बार कॉमेडी किरदार में नजर आएंगे। प्रतीक गांधी ने कहा, कॉमेडी करना बहुत कठिन होता है, लेकिन मैं कॉमेडी बहुत पसंद करता हूं। इस फिल्म के लिए जब मुझसे पहली बार संपर्क किया गया तो मुझे नहीं पता था कि कुणाल खेमू ने फिल्म लिखी है और निर्देशित करने जा रहे हैं। पहली मुलाकात में जब कुणाल खेमू ने मुझे फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई तो आधी कहानी सुनने के बाद ही फिल्म में तुरंत काम करने की हामी भर दी। हर आदमी अपने जीवन में कभी ना कभी मस्ती करता है, लेकिन मेरा मानना है कि मस्ती करो, पड़के मत जाओ। मेरी आदत स्कूल के जमाने से है। मेरे पिता जी टीचर थे, इस वजह से स्कूल में मेरी बाकी बच्चों से अलग छवि रही है। मस्ती मैं भी करता है, लेकिन इस बात का हमेशा ध्यान रहता था कि मस्ती करते वक्त कभी पकड़ा ना जाऊं।

अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ का हिस्सा नहीं होगे दुलकर सलमान

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। मणिरत्नम के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कमल हासन के साथ-साथ दुलकर सलमान भी अहम भूमिका में नजर आने वाले थे, लेकिन अब चर्चा है कि दुलकर ठग लाइफ का हिस्सा नहीं होगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के कुछ हाई-ऑक्टेन एक्शन दृश्य की शूटिंग सर्बिया में चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ठग लाइफ में दुलकर सलमान महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले थे, लेकिन अपने कई अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के चलते दुलकर ने ठग लाइफ को छोड़ दिया है। रिपोर्ट्स की माने तो अभिनेता अगले कुछ समय तक काफी व्यस्त हैं और उनके पास तारीखों की कमी है, जिसके चलते उन्हें इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को छोड़ना पड़ा। हालांकि, मेकर्स या फिर दुलकर की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। गौरतलब है कि ठग लाइफ में जयम रवि भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले है। फिल्म में फिल्म में वे कैमियो करेंगे। हालांकि, जयम रवि के फिल्म में शामिल होने को लेकर भी मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बैंक की जॉब छोड़ ग्लैमर फील्ड में आना चैलेंजिंग रहा

शेमारू उमंग पर हाल ही में टीवी शो चाहेंगे तुम्हें इतना टेलीकास्ट हुआ है। इसमें भोपाल की रहने वाली स्वाति शर्मा मुख्य भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में स्वाति से शो और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें हुई।

अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए?

मेरे किरदार का नाम आशी है। इस किरदार में भावनाओं की कई परतें मौजूद हैं। शुरुआती एपिसोड्स में इमोशनल सीन को शूट करते वक्त मैं ग्लिसरीन पर निर्भर रहा करती थी, लेकिन अभय भार्गव सर ने मुझे अपने किरदार को गहराई से महसूस करने की सलाह दी। नतीजतन, मैंने न केवल पर्दे पर बल्कि असल जिंदगी में भी आशी के साथ जुड़ना शुरू कर दिया। जिस तरह आशी का अपने बाबा के साथ मजबूत रिश्ता है, उसी तरह मैं भी अपने पिता के साथ एक खास रिश्ता साझा करती हूं।

आपके किरदार आशी और खुद आप में क्या समानताएं हैं?

चाहेंगे तुम्हें इतना में मेरा किरदार मेरे स्वभाव से अलग है। यह एक बहू और ससुर की कहानी है। आशी मेरी लाइफ से बिल्कुल अलग है। शो में ससुर अपनी बहू आशी को बेटी की तरह मानते हैं। शादी के बाद पढ़ाई करा रहे हैं। यह रिश्तों की पड़ताल करने वाला शो है, जिसमें आशी अपने से ऊपर अपने परिवार को रखती है। वह अपनी जिम्मेदारियों और अपने प्यार के बीच संतुलन को बनाए रखती है। आशी के किरदार में ढलने में मुझे काफी वक्त लगा। सीरियल में अभिनेता अभय भार्गव ससुर की भूमिका निभा रहे हैं और अभिनेत्री ख्याति केसवानी उनकी सास की भूमिका में हैं। यह दर्शकों के बीच खूब पसंद भी किया जा रहा है।

अपने को-एक्टर्स के साथ आपका रिश्ता कैसा है?

इस किरदार की खूबियों की बात करूं तो अभय भार्गव ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन दोनों जगह मेरे लिए पिता समान हैं, जिससे उनके साथ अभिनय करना मेरे लिए आसान हो जाता है। वह हमेशा मुझे अपना मार्गदर्शन देते हैं और अमूल्य सलाह भी देते हैं। वरिष्ठ होने के बावजूद, वह सुनिश्चित करते हैं कि उनके आसपास मौजूद हर कोई सहज महसूस करे। स्क्रीन पर आशी और उसके बाबा के बीच एक खूबसूरत रिश्ता है, जो ऑफ-स्क्रीन भी हमारे इस बंधन को दर्शाता है।

एक्टिंग की ट्रेनिंग को लेकर क्या प्लान है?

इस शो के बाद अगर मुझे टाइम मिलता है तो जरूर ट्रेनिंग करूंगी। हालांकि मुझे लगता है कि इतना काम करते-करते वैसे ही ट्रेनिंग हो जाती है। हमें कई बार एक्टिंग वर्कशॉप में भी शामिल होना पड़ता है।

करियर में क्या कुछ चैलेंजिंग रहा है?

सबसे पहला चैलेंज था लोगों को मनाना कि जॉब छोड़कर मुझे इस फील्ड में आने दो। दूसरा चैलेंज ये था कि जॉब के रहते-रहते ऑडिशन देना। मोस्टली हमें ऑडिशन के लिए कोई स्क्रिप्ट मिलती है तो कहा जाता है कि आज के ही आज वीडियो शूट करके दीजिए। वह मेरे लिए थोड़ा प्रॉब्लमैटिक हो जाता था कि जॉब के रहते-रहते ऑडिशन भी मैनेज करना। मेरा मानना है कि आप अपने ड्रीम को पाने के लिए जितनी मेहनत करते हैं और जब वह ड्रीम पूरा हो जाता है तो सारी मेहनत सफल हो जाती है। शेमारू उमंग पर मेरे भोपाल के लोग मुझे देख पाएंगे, मेरे लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है।

मार्शल आर्ट में इन सितारों को हासिल है महारत, कोई ब्लैक बेल्ट तो किसी ने कुंग फू में ली है ट्रेनिंग

इंडस्ट्री में कई सितारे ऐसे हैं, जिन्हें एक्टिंग के साथ-साथ मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल है। बड़े पर्दे पर एक्शन सीन करते हुए ये सितारे अपनी ट्रेनिंग का बखूबी इस्तेमाल करते हैं। इस लिस्ट में बॉलीवुड के यंग स्टार्स के साथ-साथ दिग्गज अभिनेता और अभिनेत्रियां भी शामिल हैं। चलिए आपको इन सितारों से रूबरू कराते हैं।

अक्षय कुमार

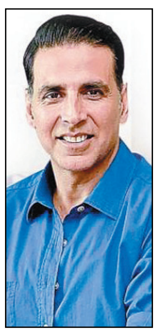

इस लिस्ट में पहला नाम अक्षय कुमार का है, खतरों का खिलाड़ी अक्षय कुमार ने हांगकांग में मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली हैं। वे शोटोटन कराटे और मय थाई में ब्लैक बेल्ट हैं। अपनी फिटनेस को लेकर खूब सजग रहने वाले अक्षय ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। आज अक्षय अपने फिल्म के एक्शन स्टंट खुद से ही करते हैं।

माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने भी मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली है। माधुरी ने शाओलिन कुंग फू में ट्रेनिंग ली है। अपने अभिनय और डांसिंग के साथ-साथ माधुरी किसी को भी सबक सिखाने का हुनर रखती हैं।

शिल्पा शेट्टी

इस लिस्ट में अगला नाम इंडियन पुलिस फोर्स में अपने किरदार से चर्चा बटोर रही अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का है। एक्टिंग और डांसिंग के अलावा शिल्पा को मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल है। वे कराटे में ब्लैक बेल्ट हैं। आज भी शिल्पा योगा करते हुए अपने शरीर के लचीलेपन से हर किसी को हैरान कर देती हैं।

विद्युत जामवाल

फिल्म क्रैक को लेकर चर्चा बटोर रहे विद्युत जामवाल एक प्रशिक्षित मार्शल आर्ट और जिमनास्ट है, फिल्मों में विद्युत के एक्शन सीन को देख कर इसका अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता है। क्रैक अभिनेता चार साल की छोटी सी उम्र से कलारीपयट्टू की ट्रेनिंग ली है इसके साथ ही उन्होंने मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल किया है, जिसका नमूना वे समय-समय पर अपने इंस्टाग्राम पर दिखाते रहते हैं। विद्युत ने जिमनास्टिक के साथ-साथ जुजुत्सु, कुंग फू और कलारी की भी ट्रेनिंग ली है।

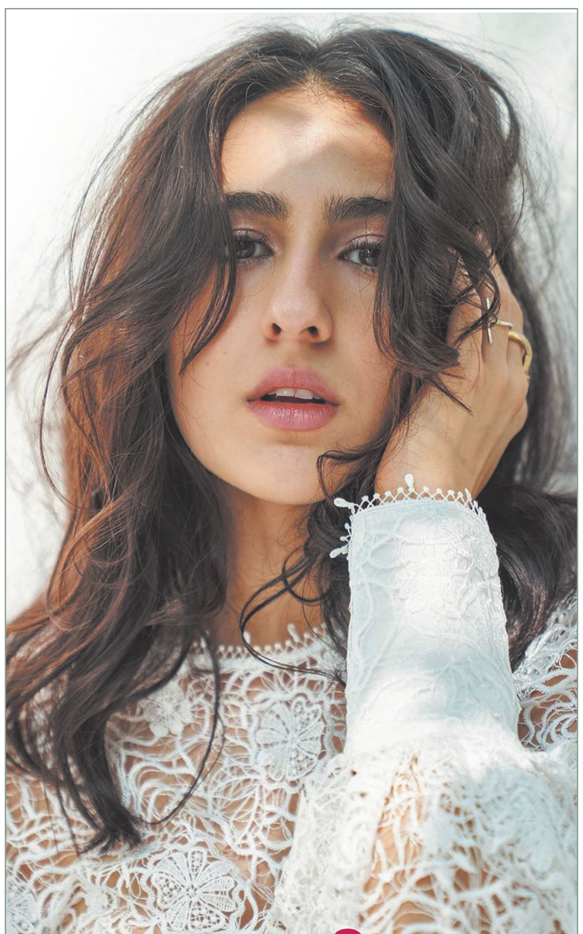

सारा अली खान की फिर बंधी ओटीटी से आस

अभिनेत्री सारा अली खान की आगामी फिल्म ए वतन मेरे वतन का ट्रेलर सोमवार को फिल्म के मेकर्स ने ऑनलाइन लांच कर दिया। एक गुमनाम नायक की अनकही कहानी में अभिनेत्री सारा अली खान का दमदार अवतार नजर आ रहा है। सारा अली खान कहती है कि इस तरह का दमदार किरदार निभाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। फिल्म ए वतन मेरे वतन के ट्रेलर में अपने दमदार अवतार को देखकर उत्साहित सारा अली खान कहती हैं, मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे यह किरदार निभाने का मौका मिला, जिसके लिए मैंने चीजों को अपने नजरिए से देखने के साथ-साथ यह समझने की कोशिश की, कि कौन सी बात मुझे प्रेरित करती है। यह फिल्म अनगिनत गुमनाम नायकों के बलिदान की याद दिलाती है, इसके साथ ही यह फिल्म इंसान के जज्बातों और उनके साहस की मिसाल पेश करती है। इस फिल्म में अभिनेता इमरान हाशमी स्पेशल गेस्ट अपीयरेंस में हैं। वह कहते हैं, यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मुझे भारत के आजादी की लड़ाई के एक राजनेता का किरदार निभाने का मौका मिला। सारा अली खान के साथ यह मेरी पहली फिल्म है, फिल्म में अपने दमदार परफॉर्मेंस से वह दर्शकों को हैरत में डाल देंगी। मुझे इस बात की खुशी है कि इस तरह की दिल को छू लेने वाली कहानी का मैं भी एक छोटा सा हिस्सा हूं।

16 साल बाद आमिर के साथ काम करेंगे दर्शील सफारी

दर्शील सफारी ने साल 2007 में आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' से बतौर चाइल्ड एक्टर बॉलीवुड डेब्यू किया था। यह फिल्म क्रिटिकली और कॉमर्शियली सक्सेसफुल रही थी और दर्शील रातों-रात सुपरस्टार बन गए थे। अब 16 साल बाद दर्शील एक बार फिर से आमिर खान के साथ काम करने जा रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। दर्शील ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने आमिर के साथ एक कोलाज शेयर किया है। इस फोटो में दो तस्वीरें हैं। पहली 16 साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'तारे जमीन पर' के एक सीन की है, वहीं दूसरी में दोनों एक्टर्स री-यूनियन करते नजर आ रहे हैं। इसे शेयर करते हुए दर्शील ने लिखा, 'बूम.. 16 साल बाद, हम फिर से साथ हैं। इमोशनल? हां.. थोड़ा था.. चार्ज्ड? बिल्कुल। मेरे फेवरेट मेन्टर को इस एक्सपीरिएंस के लिए खूब सारा प्यार। कुछ बड़ा खुलासा होने वाला है। 4 डेज टु गो..'

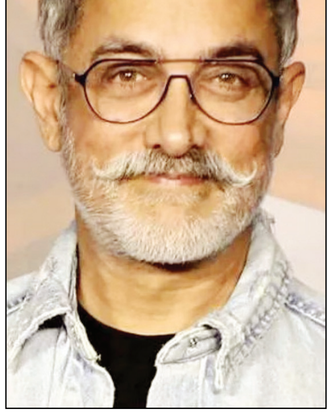

दिबाकर बनर्जी ने लव सेक्स और धोखा 2 के लिए 6,000 कलाकारों का लिया ऑडिशन

फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 के लिए फिल्म निर्माता दिबाकर बनर्जी ने विभिन्न भूमिकाओं के लिए 6,000 से अधिक कलाकारों का ऑडिशन लिया। यह फिल्म 2010 में बनी स्लीपर हिट का सीक्वल है। फिल्म निर्माता दिबाकर बनर्जी ने सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को चुनने के लिए कड़ी मेहनत की। इस बात का ध्यान रखा कि किरदार कहानी में फिट बैठ सके। एक सूत्र ने कहा, दिबाकर बनर्जी ने भूमिका के लिए लगभग 6,000 कलाकारों का ऑडिशन लिया। ऑडिशन लेते समय उनका विजन साफ था कि वह किस किरदार के लिए लोग चुन रहे हैं। इस पर उन्होंने काफी रिसर्च की थी। इसके लिए दिबाकर ने एकता कपूर के साथ मिलकर कुछ दिनों तक लगभग 10 से 12 घंटे तक भारतभर के यूट्यूबर्स की बहुत सारी फोटोज और वीडियो देखी। फिल्म 2010 की स्लीपर हिट लव सेक्स और धोखा का सीक्वल है। दिबाकर की पहली दो फिल्मों खोसला का घोसला और ओए लकी, लकी ओए के बाद यह उनकी तीसरी फिल्म है। सीक्वल का दर्शक बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

टीवी के शाहरुख बन खुश हैं धीरज धूपर

धीरज धूपर टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर नामों में से एक नाम हैं। उन्होंने जी टीवी के हिट शो कुंडली भाग्य में काम किया था। दर्शकों ने उन्हें इस शो में काफी सराहा भी था। आने वाले दिनों में वे सीरियल रब से है दुआ में दिखाई देने वाले हैं। धीरज अपने इस शो को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में अपने नए शो के प्रमोशन के दौरान उन्होंने इस सीरियल में अपने किरदार और बॉलीवुड में अपने डेब्यू के बारे में कई खुलासे किए। धीरज धूपर जी टीवी के आगामी शो रब से है दुआ में अहम भूमिका निभाते दिखाई देने वाले हैं। यह शो मुस्लिम समुदाय पर आधारित है। धीरज अपने शो के बारे में बात करते हुए कहते हैं, मैंने आज तक जितने भी किरदार निभाए हैं उन सबसे काफी अलग किरदार निभाने का मौका मुझे इस शो में मिल रहा है। मैं सुभान सिद्दीकी का किरदार निभा रहा हूं और इस किरदार के लिए मैं उर्दू सीख रहा हूं। मेरे लिए इस सीरियल में काम करना काफी रोमाचंक अनुभव रहा है। धीरज धूपर ने सीरियल कुंडली भाग्य में अपने छह साल तक काम किया था। इस शो के बारे में बातें करते हुए धीरज कहते हैं, मेरे लिए मेरे फैंस की खुशी सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। करण लूथरा के किरादर में मुझे दर्शकों ने काफी प्यार दिया था और मैं वही प्यार शो रब से है दुआ के किरदार सुभान के लिए भी चाहता हूं। दर्शक मुझे टेलीविजन का शाहरुख खान कहते हैं और मेरे लिए यह खुशी की बात है। धीरज धूपर अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं आज जहां हूं और जिस तरह का रोल कर रहा हूं मैं उससे काफी संतुष्ट हूं।